RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 September 2024

अंक - 03 (मासिक) वर्ष - 20 सितम्बर, 2024 मूल्य 20/-

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र का रजत जयंती समारोह

महिलाओं का महाकुंभ "अभिप्रेरणा 2024"

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का मध्यांचल अधिवेशन

रामकुमार भूतड़ा का अमृत महोत्सव

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-03 ▸▸ सितम्बर 2024 ▸▸ वर्ष-20

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
दिलीप कुमार तोषनीवाल, भीलवाड़ा

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

पार्वती का स्त्री-धर्म

महाभारत के अनुशासन पर्व में भगवान शिव और भगवती पार्वती का एक विस्तृत संवाद है जो अपने आप में एक ग्रन्थ है। इसमें पार्वती ने जगत्, जीवन और जगदीश से जुड़ी अनेक जिज्ञासाएँ प्रकट की हैं और शिवजी ने उनका समाधान किया है। सबसे रोचक यह कि पार्वती से शिव एकमात्र प्रश्न स्त्री धर्म को लेकर करते हैं और इसका उपदेश स्वयं पार्वती करती है।

कथा है कि जब शिवजी ने स्त्री धर्म को जानने का आग्रह किया तो पार्वती ने कहा कि मैं इसके उपदेश से पहले पवित्र नदियों से सलाह करना चाहूँगी। इसलिए कि किसी भी महत्वपूर्ण विषय पर केवल अपना अभिमत व्यक्त करने से श्रेष्ठ है कि अन्य गुणीजनों का अभिमत भी ले लिया जाए। तब पार्वती ने अपने सम्मुख उपस्थित नदियों में गंगा से स्त्री धर्म विषयक प्रश्न किया। गंगा ने पार्वती को ही उपदेश देने में समर्थ बताया और उनसे आग्रह किया कि वे ही हम सबको भी यह दिव्य उपदेश देकर कृतार्थ करें।

पार्वती प्रसन्न हुई और अंततः नदियों के बहाने शिवजी के प्रति स्त्री धर्म का उपदेश दिया जो गृहस्थी में सुख और शांति के निमित्त स्त्री मात्र के लिए अनुकरणीय है।

यह उपदेश धार्मिक साहित्य के अनुरूप पति की सेवा पर केंद्रित है किंतु इसमें और भी महत्वपूर्ण सूत्र छुपे हैं। देशकाल के अनुरूप इनका सार यह है कि जो स्त्री प्रातःकाल समय पर जाग जाती है, घर में यथायोग्य कार्य करती है, मृदुभाषी होती है और घर-परिवार सहित अतिथि सत्कार में उत्साहित होती है, उसके दाम्पत्य और गृहस्थी में सदा आनन्द रहता है।

पार्वती कहती है 'पतिप्रसादः स्वर्गो वा तुल्यो नार्या न वा भवेत्। अहं स्वर्गे न हीच्छेयं त्वय्यप्रीते महेश्वरे।।' अर्थात् एक ओर पति की प्रसन्नता और दूसरी ओर स्वर्ग का सुख। ये दोनों स्त्री की दृष्टि में समान हो सकते हैं या नहीं, मैं नहीं जानती। परन्तु हे मेरे प्राणनाथ महेश्वर! मैं तो आपको अप्रसन्न कर स्वर्ग को कदापि नहीं चाहती।

साधो! हरतालिका तीज सहित हिंदू धर्म में स्त्रियों से जुड़े सारे व्रत शिव-पार्वती केंद्रित हैं। इसलिए कि संसार में एकमात्र शिव-पार्वती की गृहस्थी ही सुखमय है। कारण, पार्वती उपदेश ही नहीं देती बल्कि पहले स्वयं उसका पालन करती है और शिवजी भी केवल सुनाते नहीं, सुनते भी हैं।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

आनंद से प्रफुल्लित तन-मन...

श्रावण मास अपने साथ प्रकृति का अपार सौंदर्य व धार्मिक उपासना के अनुपम अवसर लेकर आता है। यह वह काल है, जब पूरी धरती माँ हरियाली की चादर औढ़ पुष्पों से श्रृंगार कर अपने सौंदर्य की यौवनावस्था में होती है। इसी से गदगद होता है, हमारा तन-मन। आखिर प्रकृति से सुन्दर क्या हो सकता है? तभी तो ''सत्यं शिवम् सुन्दरम् '' की आकल्पना की गई है। वास्तव में उपनिषद की इन पंक्तियों में शिव के रूप में प्रकृति के सौन्दर्य का ही उल्लेख है। प्रकृति से सुन्दर कुछ नहीं लेकिन इस सौन्दर्य को सहेजकर रखने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है, क्योंकि हम न सिर्फ प्रकृति के आँचल में सुखद जीवन व्यतीत कर रहे हैं, अपितु अपनी भौतिक अपेक्षाओं को लेकर इसका भरपूर दोहन भी कर रहे हैं। वर्तमान में विभिन्न स्थानों पर आ रही प्राकृतिक विपदाऐं इसी असंतुलित प्रकृति दोहन का ही नतीजा है। हमने धरती का सीना अपनी स्वार्थपूर्ति के लिये छलनी कर दिया। हरियाली की जो प्रकृति की चादर है, वह भी हमारे स्वार्थ के कारण सिमटती जा रही है और उसकी जगह कांक्रीट के जंगल लेते जा रहे हैं। इन सभी से नाराज प्रकृति ने बाढ़ व भूस्खलन के रूप में जो आक्रोश व्यक्त किया, उसने सभी को भयभीत करके रख दिया। लेकिन यहाँ सिर्फ भयग्रस्त होना ही काफी नहीं बल्कि इस विषय पर चिंतन करते हुए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

विश्व पर्यावरण दिवस की पावन बेला में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने ''एक पेड़ अपनी माँ के नाम'' अभियान द्वारा हरियाली को संजोकर प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान देने की विनम्र अपील की है। इस अभियान के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स ने भी अपने सम्मानीय पाठकों से पौधारोपण हेतु अपील की। हर्ष का विषय है कि न सिर्फ पाठकों ने बल्कि सम्पूर्ण समाज ने इस अभियान के महायज्ञ में अपनी आहुति देने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। हमने फिर यह सिद्ध कर दिखाया कि मानवता, प्रकृति व देश के लिये योगदान देने में माहेश्वरी समाज किसी से पीछे नहीं है। प्रकृति संरक्षण के लिये पौधारोपण के इस अभियान में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले समस्त सम्मानीय समाजजनों का मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ।

आनंद की यह बेला अपने आनंदपूर्ण पलों से और भी आनंदित कर गईं। इस बार समाज के भामाशाह व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति बाबूजी श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलालजी राठी ने अपनी सफल जीवन यात्रा का 91वाँ जन्मदिवस (खींवसर में) श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र की बैठक के पश्चात मनाया, वहीं जोधपुर में केंद्र का रजत जयंती समारोह भी आयोजित किया गया। आदरणीय बाबूजी को इसके लिये बहुत-बहुत बधाई व आपके दीर्घ जीवन की प्रभू से कामना। इसी आनंद की श्रृंखला में जीवन की 75 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर चुके महासभा के पूर्व महामंत्री व अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष श्री रामकुमार भूतड़ा का ''अमृत महोत्सव'' भी शामिल है। अमृत महोत्सव, वास्तव में जीवन के सेवा अमृत से सभी को सरोबार करने का उत्सव ही था। श्री भूतड़ा को भी जीवन के इस अनुपम अवसर की बहुत-बहुत शुभकामना व भावी सफल जीवन की भगवान महेश से कामना। एक और विशेष आनंद का पल है, कुचामन सिटी निवासी श्यामसुन्दर मंत्री का लायंस इन्टरनेशनल में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में निर्वाचन। सेवा क्षेत्र के इस अति सम्मानजनक पद के लिये श्री मंत्री को भी बहुत-बहुत बधाई व उनके सफल कार्यकाल की शुभकामना।

यह अंक इस बार पर्यावरण के साथ ही कुछ विशिष्ट पलों को सहेजने वाले आलेखों व विशिष्ट समाचारों से समाहित है। इसके साथ स्थायी स्तम्भ भी पूर्ववत ही हैं। आशा ही नहीं विश्वास है कि यह अंक पूर्णतः संग्रहणीय रहेगा और आप इसे अवश्य ही पसंद करेंगे। अपनी प्रतिक्रिया से अवगत करवाना न भूलें।

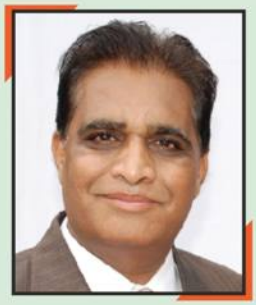

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

स्व. श्री रामप्रकाश व श्रीमती चाँदकँवर तोषनीवाल के सुपुत्र के रूप में 16 अगस्त 1966 को जन्मे भीलवाड़ा निवासी दिलीप तोषनीवाल की पहचान जितनी एक व्यवसायी के रूप में है, उससे भी कहीं अधिक समाजसेवी के रूप में है। समाजसेवी गतिविधियों के अंतर्गत श्री तोषनीवाल लगभग तीन दशक से भी अधिक समय से लायंस इंटरनेशनल से सम्बद्ध होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। एम.कॉम. तक शिक्षित श्री तोषनीवाल वर्तमान में रियल इस्टेट तथा माइनिंग के व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद आपने लायंस क्लब इंटरनेशनल से सम्बद्ध होकर गवर्नर के साथ मल्टीपल काउंसिल सचिव व कोषाध्यक्ष आदि कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवा दी और इसमें सेवा के नये कीर्तिमान स्थापित किये। समाज संगठन अंतर्गत संरक्षक माहेश्वरी सहयोग संस्थान, संस्कार निर्माण सेवा संस्थान, सदस्य माहेश्वरी सम्पत्ति ट्रस्ट सहित माहेश्वरी सेवा समिति, माहेश्वरी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी, माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर, जिला माहेश्वरी सभा आदि से सम्बद्ध होकर भी अपनी सेवा दे रहे हैं। समाजसेवा के लिये आप जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित भी हो चुके हैं। धर्मपत्नी मधु तोषनीवाल, पुत्र अनिमेष व पुत्री आयुषी भी प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से आपके ही पद्चिन्हों पर अग्रसर हैं।

सोच बदलो, जीवन बदल जाएगा

साथियों, हमें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए सुअवसर मिलता है। यह सुअवसर सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सेवारत संस्थाओं के सेवा प्रकल्पों से जुड़कर सेवा में आनंद की प्राप्ति करना का है। यह अवसर प्रभु की कृपा से मुझे भी मिला है, समाज एवं लांयस के माध्यम से सेवा प्रकल्पों से जुड़ने और उनमें कार्य करने का। मुझे लायंस क्लब इंटरनेशनल से विगत कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण दायित्व मिले उसमें एक दायित्व लायंस गवर्नर का भी रहा। अपने कार्यकाल में मैंने अपना स्लोगन दिया था, ''सोच बदलो जीवन बदल जाएगा''। उपरोक्त कथन ने मेरे जीवन में भी काफी बदलाव किया है और मैंने सेवा एवं सहयोग को आनन्द प्राप्ति का मार्ग माना है।

हमें अपनी सोच को सकारात्मक रखना होगी। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखते हैं, तो निश्चित मानें कि आपके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आ जाएगा। आपको हर कार्य में आनंद की प्राप्ति का आभास होने लगेगा। नकारात्मकता आपके जीवन से दूर चली जाएगी, आप हर चीज में एक सकारात्मक पहलू देखेंगे। सकारात्मक सोच आपके जीवन को सुंदर बनाने के साथ अन्य के जीवन को भी सुंदर बनाने का कार्य करेगी। मेरा ऐसा मानना है कि सारी अच्छाईयां और दोष हमारी सोच का ही होता है। हम किसी से प्यार से बोलते हैं तो यह हमारी सोच है और हम किसी से झगड़ कर बोलते हैं, वह भी हमारी ही सोच है। हमें अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए जिससे निश्चित ही हम समाज, प्रदेश, राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान दे पाएंगे। हम किसी भी कार्य को करते हैं तो वह कार्य हमारी सोच करती है। उस कार्य को करने में हमारे शरीर की भूमिका नहीं होती। उन्हें हमारी सोच दिशा निर्देश देती है और हमारा शरीर उसी सोच के अनुरूप कार्य करता है।

मैं एक उदाहरण के माध्यम से समझाना चाहूंगा- एक सेठ जी ने भोजन के लिए अपने गुरु जी को आमंत्रित किया, पर गुरुजी की व्यस्तता होने के कारण उन्होंने अपने दो शिष्यों को सेठ जी के घर भोजन के लिए भेज दिया। सेठ जी ने उनकी खूब आवभगत की और भोजन बहुत अच्छे से कराया। वह दोनों भोजन करने के पश्चात अपने गुरु जी के पास पहुंचे। गुरुजी ने अपने शिष्य से पूछा जो ज्यादा प्रसन्न था, तो उसने जवाब दिया, गुरुजी बहुत ही अच्छा भोजन था और सेठ जी ने हमारा खूब ध्यान रखा। फिर गुरु जी ने उस शिष्य से पूछा जो उदास था। शिष्य ने जवाब दिया, सेठ जी ने भोजन तो कराया परंतु उन्होंने दक्षिणा में सिर्फ दो रूपये ही दिए। उनके पास बहुत पैसा है, उसके पश्चात भी उन्होंने कंजूसी दिखाई। यह उदाहरण हमारी सकारात्मक और नकारात्मक सोच को प्रदर्शित करता है। मुझे भी कुछ संस्थानों में कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का मौका मिला। प्रथम माहेश्वरी सहयोग संस्थान भीलवाड़ा, जिसमें 75000 से कम आय वाले परिवारों को प्रति माह आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग के साथ उनकी आय के स्रोत को बढ़ाने का कार्य किया जाता है ताकि वह सामाजिक समानता का आभास कर सके।

द्वितीय संस्कार निर्माण एवं सेवा संस्थान जिसमें बच्चों को संस्कारित करने के साथ वृद्ध जन पारिवारिक परामर्श केंद्र के माध्यम से उनकी समस्याओं का निदान किया जाता है। उपरोक्त संस्था में माता-पिता के चरण वंदन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। मेरा आग्रह है कि हम भी समाज में मातृ पितृ चरण वंदन का कार्यक्रम रखें, जिससे आने वाली पीढ़ी संस्कारवान और माता-पिता के प्रति समर्पित हो। तृतीय संस्था लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा विगत वर्षों में मुझे कुछ दायित्व दिए गये जिन्हें मैंने जिम्मेदारीपूर्वक निभाने की कोशिश की। मेरे 1 वर्ष के गवर्नर कार्य काल में सकारात्मक सोच के साथ हमने लगभग 21000 सेवा कार्यक्रम संपादित किये एवं लायंस में नए नवाचार संस्कार निर्माण के साथ मातृ पितृ चरण वंदन पर विशेष कार्य किया। लायंस के प्रति हमारी गलत धारणा है कि हम लायंस की फीस के रूप में काफी पैसा भेजते हैं पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हम जितना पैसा भेजते हैं उससे ज्यादा पैसा लायंस क्लब अंतरराष्ट्रीय विभिन्न सेवा प्रकल्पों में सहयोग के रूप में भिजवाता है। तो आओ हम अपनी सकारात्मक सोच के साथ अन्य की सोच को भी बदल कर सकारात्मक करें।

दिलीप कुमार तोषनीवाल, भीलवाड़ा
अतिथि सम्पादक

श्री अटल सच्चियाय माताजी

श्री अटल सच्चियाय माताजी को अटल, मारोठिया एवं गोठणीवाल आदि खांप एवं नख वाले मानते हैं।

नागौर जिलान्तर्गत नागौर तहसील के ही शंखवास नामक गांव में माताजी का स्थान है। मन्दिर का निर्माण लगभग 1400 वर्ष प्राचीन बताया गया है। किन्तु कालान्तर में मूर्ति के चोरी हो जाने से हैदराबाद के श्री कन्हैयालालजी अटल ने लगभग 50 वर्ष पूर्व दूसरी मूर्ति स्थापित की है जो आकर्षक व दर्शनीय है । पूर्व समय में स्थापित मूर्ति पीले पत्थर की थी। इसी मन्दिर में माहेश्वरी समाज की सहमति से ही कुछ वर्षों पूर्व सच्चियाय माताजी की ही एक अन्य मूर्ति सांखला राजपूतों ने भी स्थापित की है। राजपूतों में सांखला व पंवार इन्हें बड़ी श्रृद्धा से पूजते हैं। मध्यप्रदेश व राजस्थान में सांखला, पंवार (राजपूत) अपने जात जडूला कर्म के लिए यहीं आते हैं। गांव में 5 परिवार अटल के व 16 परिवार हेड़ा खांप के वर्तमान में निवासरत हैं।

इतिहास झरोखा : मुख्य मन्दिर के चारों ओर की दिवारो पर विभिन्न देवी-देवताओं की भीत्ति प्रतिमाएं अभी भी अंकित हैं किन्तु ऐतिहासिक तथ्य यह है कि लगभग समस्त भीत्ति प्रतिमाओं को आततायी मुगल शासक औरंगजेब के सेनापति मीरखाँ ने खण्डित कर अपूजनीय बना दिया है। मंदिर तंवर राजपूतों का बनाया हुआ है। मन्दिर वर्षों से अन्य समाज के आधिपत्य में था जो लम्बी कानूनी लड़ाई के पश्चात 2007 में समाज को सौंपा जा चुका है। मन्दिर से ही सटा हुआ लगभग 4000 स्क्वेयर फीट का माताजी का पोल नामक परिसर भी इसी अधिपत्य का हिस्सा है। मन्दिर के एक अन्य भाग में शीतला माता की प्रतिमा भी विराजित हैं, जहाँ सम्पूर्ण गांववासी शीतला सप्तमी का पूजन सम्पन्न करते हैं।

पूजन एवं उत्सव : मन्दिर में प्रतिदिन पूजन व आरती आदि नियुक्त महिला पुजारिन करती हैं, जो बाहर से आने वाले परिवारों की भेंट व नगरवासियों के अन्नादि सहयोग पर आश्रित है। नवरात्रि में जागरण कर ग्रामवासी अपने परिवारों से मिष्ठान्न आदि लाकर भोग लगाते हैं। माहेश्वरी परिवार नित्य दर्शन के भी अभ्यस्त हैं।

कहाँ ठहरें : छोटा स्थान होने के बावजूद सर्व सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन एवं कलंत्री भवन के साथ स्थानीय निवासियों के लम्बे- चौड़े आवास भी हैं। दोनों भवनों में वर्तमान में निजी सेकण्डरी स्तरीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

कैसे पहुंचें : अजमेर से मेड़ता रोड़ (75 किमी.) आकर सीधे शंखवास (40 किमी.) सड़क मार्ग से भी जाया जा सकता है ।

प्रमुख शहरों से दूरी :

मारवाड़ मूण्डवा	-	22 कि.मी.
मेड़ता सिटी	-	40 कि.मी.
नागौर	-	40 कि.मी.
खींमसर	-	40 कि.मी.
जोधपुर	-	105 कि.मी.
अजमेर	-	155 कि.मी.
जयपुर	-	360 कि.मी.

प्रमुख सम्पर्क बिन्दु :

श्री भीकमचन्दजी अटल
ग्राम शंखवास तह. जिला नागौर (राज.)
फोन - 01584-285006, मो. - 09413682606

प्रहलाद मण्डोवरा
23, तेजानगर, प्रखण्ड क्र.-एक रतलाम 457001
फोन - 07412-265159 मो. - 09329032320

विशेष - पृथक जानकारी के अभाव में अटलजन औसियाँ ही जाते थे किन्तु अब जानकारी प्राप्त होने पर दूर-दूर से अटल बन्धु शंखवास ही पधारते हैं।

खींवसर में सम्पन्न श्री आदित्य विक्रम बिरला केन्द्र की बैठक

पद्मभूषण राजश्री बिरला का भी खींवसर आगमन- 91वाँ जन्मदिवस के साथ पद्मश्री राठी ने छोड़ा कार्याध्यक्ष पद

खींवसर (राज.)। श्री संकट मोचन धाम हनुमान मंदिर में दर्शन के बाद सायं 4 बजे श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा, मंदिर के सत्संग भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में योजना से जुडे केन्द्र पदाधिकारी, मेनेजिंग कमेटी, सहायक समिति सदस्य, केन्द्र संयोजक, केन्द्र के दानदाता सदस्यगण, महासभा, प्रदेश सभा, जिला सभा एवं स्थानीय सभाओं के पदाधिकारी एवं अनेक सदस्य एवं सदस्याऐं उपस्थित हुए।

भगवान महेश की पूजा, अर्चना के बाद केंद्र अध्यक्ष राजश्री बिरला की अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। श्रीमती बिरला ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि समाजोत्थान की दिशा में स्थापित केन्द्र योजना उद्देश्यों के अनुरूप सफलता पूर्वक अग्रसर हो रही है। 15 अगस्त 1999 को स्थापित योजना ने 25 वर्ष पूर्ण कर लिया है और यह वर्ष रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसका समापन समारोह जोधपुर में 15 अगस्त 2024 को होगा। 25 वर्षों का सफर हम सभी के लिए अद्भुत एवं स्मर्णिम रहा है। योजना निरन्तर सफलता की उचाईयों को छू रही है, प्रतिवर्ष अनेक जरूरतमंद बन्धु व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र में अग्रसर हो रहे हैं।

पद्मश्री राठी ने ली पद से बिदाई

कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी ने बताया कि योजना समाजोत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है। योजना में करीब 900 विशाल हृदयी दानदाताओं से सहयोग के रूप में संबल प्राप्त हुआ है और 7350 से भी अधिक परिवार 81.50 करोड रुपये की ऋण सहायता का लाभ लेकर आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी बने हैं। आपने कहा कि मैंने अपना सारा जीवन समाज सेवा कार्यों में लगाया है, केन्द्र योजना मेरी परिकल्पना का परिणाम है जो मेरी सांसों में बसती है। लेकिन बढ़ती उम्र एवं स्वास्थ्य कारणों को ध्यान में रखते हुए आपने कार्याध्यक्ष पद से सम्मान पूर्वक निवृत्तमान होने की घोषणा की जो सभी के लिए भावुक करने वाला पल था। उन्होंने कहा कि जीवन के अंतिम क्षणों तक संरक्षक के रूप में योजना के लिए तत्पर रहकर कार्य करूंगा। आपने कार्याध्यक्ष के रूप में नवलकिशोर राठी के नाम का प्रस्ताव रखा। उपस्थित सदस्यों ने श्री राठी की भावना का सम्मान करते

पद्मश्री राठी का मना 91वाँ जन्मदिवस

खींवसर में बैठक पश्चात पद्मश्री बंशीलाल जी राठी का 91 वाँ जन्मदिन मनाया गया। उपस्थित सदस्यों ने श्री राठी जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं सतायु की प्रार्थना करते हुए जन्मदिन की बधाई दी। श्री राठी जी ने सभी सदस्यों को आशीर्वाद स्वरूप हनुमान बाबा की फोटो, रामचरित मानस एवं प्रसाद प्रदान किया। राठी परिवार ने इस स्नेह के लिये श्रीमती राजश्रीजी बिरला एवं उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। देशभर से आये समाजजनों व स्नेहीजनों ने भी श्री राठी को शुभकामनाऐं दीं।

हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। केन्द्र अध्यक्षा श्रीमती बिरला ने कहा कि भावी युवा पीढी को आगे आकर योजना की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

ऋण सहायता राशि में की वृद्धि

बैठक में विषय सूची के अनुसार सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई, महामंत्री श्री श्यामसुन्दर जी काबरा ने गत बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। अर्थमंत्री- आनन्द राठी ने वर्ष 2023-24 का ऑडिटेड आय-व्यय पत्रक प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। नवलकिशोर राठी ने केन्द्र गतिविधियों की जानकारी दी। महासभा के सभापति संदीप काबरा एवं पूर्व सभापति श्यामसुन्दर सोनी ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था द्वारा निरन्तर सफलता की सीढियाँ चढते हुए 25 वर्ष पूर्ण करना अपने आप में बडी बात है। उपस्थित कुछ सदस्यों ने अपने कुछ सुझाव भी व्यक्त किये। केन्द्र द्वारा दी जा रही ऋण सहायता की अधिकतम सीमा को रू. 4 लाख से बढाकर रू. 5 लाख करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2024-25 में रू. 10 करोड की ऋण सहायता वितरण पूर्ति का लक्ष्य रखा गया, योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर जरूरतमंद बन्धुओं की पहचान कर उन्हें केन्द्र उद्देश्यों के अनुरूप ऋण सहायता दिलवाने एवं बकाया राशि वसूली हेतु सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों से निवेदन किया गया। बैठक के अन्त में सभा अध्यक्ष की अनुमति से धन्यवाद ज्ञापन के बाद सभा का समापन किया गया।

केन्द्र का मना रजत जयंती समारोह

केन्द्र योजना के 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा को उत्सव के रूप में मनाने हेतु चेन्नई में 14 जनवरी 2024 को रजत जयंती शुभारंभ समारोह मनाया गया इसी श्रंखला में जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा, श्री माहेश्वरी समाज जोधपुर एवं पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त आतिथ्य में 15 अगस्त 2024 को रजत जयंती समापन समारोह देश की सूर्यनगरी जोधपुर के जनोपयोगी भवन, रातानाडा में सुबह 11 बजे प्रारंभ हुआ। पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला, पद्मश्री बंशीलाल राठी, महासभा के सभापति- संदीप काबरा, पूर्व सभापति- श्यामसुन्दर सोनी, भूतपूर्व सभापति- रामपाल सोनी, कार्याध्यक्ष- नवलकिशोर राठी, केन्द्र महामंत्री- श्यामसुन्दर काबरा, अर्थमंत्री- आनन्द राठी, गोपीकिशन मालानी, ओमप्रकाश सोनी, पुरूषोत्तम मूंदडा के साथ जोधपुर समाज के अनेक गणमान्यजन, केन्द्र हितग्राही के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये अनेक समाजजन की उपस्थित में सम्पन्न हुआ।

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजा रोहण

कार्यक्रम की शुरूआत पद्मभूषण श्रीमती बिरला की विशेष उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। महामंत्री श्यामसुन्दर काबरा ने योजना के 25 वर्षों की गतिविधियों की जानकारी दी। रजत जयंती समारोह के अवसर पर योजना से लाभांवित सफलता की सीढियाँ चढने वाले कुछ हितग्राही बन्धुओं का अभिनन्दन पत्र से सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने योजना की सराहना करते हुई इसे समाज की एक अनूठी योजना बताया और प्रेरित होकर कुछ सदस्यों द्वारा विशाल हृदयता से आगे आकर सहर्ष करीब रू. 1 करोड सदस्यता सहयोग की घोषणा की गई। महासभा एवं जोधपुर समाज द्वारा निवृत्तमान कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी का उनकी अद्भुत सोच एवं सेवाओं के लिए चांदी की संगोल छड़ी प्रदान कर अभिनन्दन किया गया। पूरे जोधपुर समाज की ओर से जन्मदिन की बधाई दी गई। समारोह के अन्त में सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बैठक, माहेश्वरी भवन में अतिथियों के लिए आवासीय सुविधा, विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट भोजन, विशिष्ठ जोधपुरी मिष्ठान, आतिथ्य सत्कार आदि के लिए आयोजक संस्था जोधपुर समाज का केन्द्र की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा का मना अमृत महोत्सव...

राष्ट्रभक्ति व समाज सेवा से ही जीवन की सार्थकता

- श्री गोविन्ददेवगिरिजी महाराज

■ टीम SMT

देशभर से उपस्थित कई विभूतियों ने दी शुभकामनाऐं, उनके जीवन पर केन्द्रित पुस्तक 'सेवारथ के सारथी' का हुआ विमोचन

राजस्थान के एक छोटे-से गाँव से प्रारंभ हुई रामकुमार भूतड़ा की जीवन यात्रा सफलता, सेवा और यश की त्रिवेणी से होती हुई जब अमृत महोत्सव के पड़ाव पर पहुँची तो उनके अभिनन्दन के लिए मानो सारा समाज उमड़ गया। सन्तों ने आशीर्वाद बरसाए तो जीवन के सहयात्रियों ने दुआएँ दी। समाज ने अपने गौरव पुरुष का गुणानुवाद किया तो नई पीढ़ी ने अपने आदर्श को नमन कर धन्यता का अनुभव किया। तीर्थराज पुष्कर में ऐसा मना अमृत महोत्सव...!

श्री रामकुमारजी भूतड़ा के अमृत महोत्सव के दो दिन तीर्थराज पुष्कर में जो आनन्द वर्षा हुई, वह माहेश्वरी समाज में इतिहास रच गई। महोत्सव के प्रथम दिन 17 अगस्त, 2024 को सेवा सदन प्रांगण में स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक के मंत्र गूँजे और सप्त सरिता अभिषेक के पश्चात् यज्ञ का आयोजन हुआ। फिर बहनों ने रक्षासूत्र बांधे और सायंकाल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का रस बरसा। इस अवसर पर डोडियाना का सम्पूर्ण भूतड़ा परिवार, इचलकरंजी, जालौर, जोधपुर, नागौर, मेड़ता, इन्दौर, भिवण्डी से आए सभी रिश्तेदारों व अतिथियों ने सामूहिक रूप से पुष्कर सरोवर का पूजन एवं महाआरती की। रात्रि में अजमेर के सुप्रसिद्ध भजन गायक अशोक तोषनीवाल की सुमधुर आवाज में भजन संध्या का रंग जमा।

गुरु का मिला आशीष

मुख्य महोत्सव 18 अगस्त, 2024 को प्रातःकाल बूढ़ा पुष्कर स्थित जॉलीवुड रिसोर्ट में राष्ट्रीय संत एवं राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष श्री गोविन्ददेवगिरिजी महाराज के सान्निध्य में हजारों शुभ-चिंतकों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्री गोविन्ददेवगिरिजी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि राष्ट्र रक्षा हर भारतीय की पहली प्राथमिकता होनी चाहिये। राष्ट्र बचेगा तो धर्म बचेगा, हमारे मंदिर बचेंगे तो हिन्दुत्व बचेगा। इसलिये राष्ट्र प्रेम की भावना हर भारतीय में होनी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र, समाज व

धर्म की सेवा किए बिना मानव जीवन की सार्थकता नहीं है। इसलिए मनुष्य को यह जीवन राष्ट्र सेवा में लगाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति व समाज सेवा सर्वोपरि रखना चाहिए। एक छोटे से ग्राम के साधारण परिवार में जन्म लेकर मानव-सेवार्थ किये गये श्री भूतड़ा के कार्यों, समाज एवं राष्ट्र के लिये उनकी समर्पण भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि भूतड़ा जी ने अपने जीवन का अधिकतम समय समाज सेवा में लगाया है एवं अनेक उत्कर्ष कार्य संपादित किये है। उन्होंने श्री भूतड़ा द्वारा किये गये कार्यों से समाज के लोगों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर बल दिया।

''सेवारथ के सारथी'' का विमोचन

इस समारोह में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा, पूर्व सभापति रामपाल सोनी, श्याम सोनी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या सहित राज्यसभा के सांसद राजेन्द्र गेहलोत ने भी अपने उद्बोधन में श्री भूतड़ा द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए दीर्घायु की कामना की। सभी ने सामाजिक कार्यों के प्रति श्री भूतड़ा के निरन्तर मार्गदर्शन की आवश्यकता प्रकट की। इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव श्री गोविन्ददेवगिरिजी महाराज एवं श्री भूतड़ा जी का तुलादान भी किया गया तथा उनके 75 वर्ष के जीवन परिचय पर बनी बॉयोग्राफी भी सभी को दिखाई गई। इसी अवसर पर समाज के वरिष्ठ पत्रकार पुष्कर बाहेती के नेतृत्व में प्रकाशन मण्डल- कृष्णचन्द्र टवाणी किशनगढ़, डॉ. महावीरप्रसाद भूतड़ा जोधपुर, राधेश्याम भूतड़ा इचलकरंजी, सुभाषचन्द्र पारीक अजमेर, अनिल लड्ढा किशनगढ़, विकास चावड़ा द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'सेवा-रथ के सारथी' का विमोचन भी संत श्री गोविन्ददेवगिरिजी महाराज के कर कमलों से किया गया।

कई हस्तियाँ कार्यक्रम में उपस्थित

कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राजस्थान सांस्कृतिक धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकारसिंह लखावत, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गेहलोत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, ब्यावर विधायक शंकरसिंह रावत,

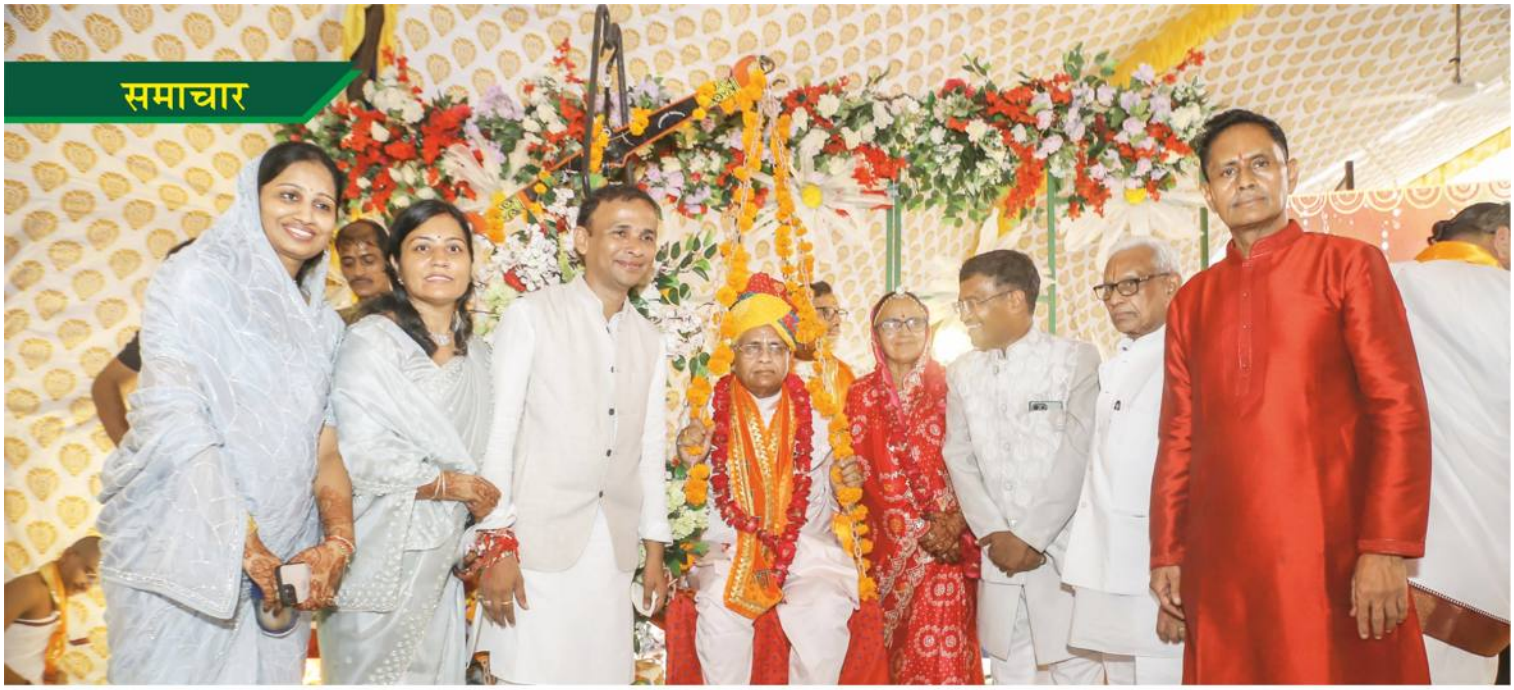

राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लाम्बा, पुष्कर पालिकाध्यक्ष कमल पाठक, अजमेर शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, बी.पी. सारस्वत, पूर्व मेयर धर्मेन्द्र गेहलोत, पूर्व मेयर धर्मेश जैन, पूर्व अजमेर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा, अजमेर के पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, पूर्व सांसद गोपालसिंह ईडवा, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, पूर्व विधायक मांगीलाल डागा, नरेश पारीक राष्ट्रीयमंत्री लघु उद्योग भारती, रामनिवास पारीक नागपुर, सुखराम मेघवाल पूर्व विधायक, जोधपुर के उप-महापौर किशन लड्ढा, अजमेर के उप-महापौर नीरज जैन, भाजपा नेता कंवलप्रकाश इसनानी, पुष्कर नगर पालिका के पूर्व चेयरमेन सूरजनारायण पाराशर, हेमराज दिवाकर मोडीकला, दिलीपसिंह बछवारी, विरदीचंद तोषणीवाल डेगाना, रामनिवास चौधरी लाड़वा, ठाकुर शिवप्रसाद सिंह इंडवा आदि उपस्थित थे।

बड़ी संख्या में उपस्थित शुभकामनादाता

इनके साथ ही श्री ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ के अध्यक्ष आनन्द राठी, उपाध्यक्ष रामावतार जाजू, कोषाध्यक्ष अशोक कालानी, सचिव संदीप झंवर, महासभा उप-सभापति अरुण भांगड़िया, संयुक्त मंत्री रमाकान्त बाल्दी अजमेर, संयुक्त मंत्री ओमप्रकाश तापड़िया दिल्ली, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभाध्यक्ष गोपीकिशन बंग, पूर्व उपसभापति अशोक सोमानी रेवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलकिशोर चाण्डक, केशरीचन्द तापड़िया, कैलाश कोठारी, पूर्व युवा संगठन अध्यक्ष रमेश तापड़िया काठमांडू अनिल मानधनी गोरखपुर, महासभा कार्यसमिति सदस्य नवलकिशोर राठी चैन्नई, एम.डी.एच. चेयरमेन सुरेश राठी नागौर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अध्यक्ष श्रीगोपाल राठी भीलवाड़ा, पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू, भीलवाड़ा आदि। इसी प्रकार सूरत से रामरतन भूतड़ा, गजानंद राठी, मदनमोहन पेड़ीवाल, भंवरलाल चांडक, रामावतार जाजू, महेश पुंगलिया, रामकिशोर बाहेती, अतिन बाहेती एवं नरेन्द्र खटोड़। नडियाद से कालूराम हेडा, अहमदाबाद से अर्जुन राठी, रमेश भूतड़ा, मुंबई से रामकुमार मान्धन्या, अशोक पुंगलिया, रामविलास (हुरकट) माहेश्वरी, ओमप्रकाश बंग, मदन भूतड़ा, बनवारीलाल जेथलिया आदि। नासिक से प्रकाशचंद्र कलंत्री, नेमीचंद सोनी, दीपक भूतड़ा, ललित बूब, रमेश बूब, रमेश मालू, रामकिशन मूंदड़ा, महेश राजाराम भांगड़िया, मालेगांव से रमेश जाजू, गोविंद तोतला तथा इचलकरंजी से चंदनमल मंत्री, प्रहलाद भूतड़ा, ओमप्रकाश छापरवाल, रामेश्वरलाल राठी उपस्थित थे। जयपुर से लेखराज माहेश्वरी, डॉ. आर.के. भारद्वाज उपस्थित थे।

इनका भी मिला सान्निध्य

इस अवसर पर श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के उपाध्यक्ष प्रहलाद शाह, अनिल कुमार बांगड़, जयकिशन बल्दुवा, विजयशंकर मून्दड़ा, महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया, मंत्री सोहनलाल मून्दड़ा, मुरलीधर झंवर, भगवान बंग, किशनगोपाल बंग, संजयकुमार जैथलिया, प्रचार मंत्री भागीरथ भूतड़ा, कार्यालय मंत्री मधुसुदन मालू सहित दिल्ली से राजेन्द्र काबरा, श्रीमती विनिता बियाणी एवं रामअवतार जेथलिया, मेड़तासिटी से संपतराज बिड़ला, चंद्रप्रकाश बिडला एवं माणकचन्द दरक, इचलकरंजी से अशोक बाहेती एवं पन्नालाल बिड़ला, जोधपुर से शरद मूंदड़ा, सी.ए. नीरज मूंदड़ा, पुखराज फोफलिया, सुरेश भूतड़ा, सोहनलाल राठी एवं श्रीमती रामेश्वरी भूतड़ा आदि उपस्थित थे। राजसमंद से सत्यप्रकाश काबरा, विष्णुगोपाल सोमानी एवं मदनलाल मालानी, लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री कुचामनसिटी, भीलवाड़ा से राधेश्याम सोमानी, सुरेश कचोलिया, ब्यावर से दिलीप जाजू एवं हरीश मूंदड़ा, सी.ए. सुधीर बाहेती नागपुर। भूपेश मून्दड़ा उदयपुर, मनमोहन मंत्री उज्जैन, इंदौर से अशोक ईनानी, नटवरलाल तोषणीवाल, गौरीशंकर लखोटिया, गिरिराज मूंदड़ा, अमरचंद सोनी तथा अजमेर से सुभाष नवाल, सुरेन्द्र लखोटिया, अशोक राठी, अशोक मालानी, रमाकान्त हेडा, जयदेव सोमानी, रमेश तापड़िया, सुरजनारायण लखोटिया, ज्वालाप्रसाद काकाणी, कमल काबरा, धर्मेन्द्र कांसट, मुरारी तोषणीवाल, अरविन्द चाण्डक व ताराचंद शारदा सायला उपस्थित थे। बृजकिशोर तोषनीवाल परभणी, डेगाना से रामस्वरूप सोनी, रतनलाल खटोड़ एवं बंकटलाल राठी। किशनगढ़ से मुकूट बिहारी मालपानी, गोपाल सोनी, जगदीशप्रसाद लोया, हरीश लोया, ओमप्रकाश तोषणीवाल, रमेश राठी, जुगल जेथलिया, ओमप्रकाश सारड़ा, तेजकरण सोनी, श्यामसुन्दर दरगड़, रामनारायण झंवर, धर्मेन्द्र काकाणी, प्रकाश राठी, सी.ए. रमेश राठी, राजेश लोया एवं प्रबन्धकारिणी समिति के अनेक सदस्यगण, पूरे राजस्थान के हर जिले से तथा देशभर से लगभग 4000 से अधिक समाजजनों, परिवारजनों, मित्रगणों, ग्रामीणों व शुभचिंतकों की उपस्थिति रही। उपस्थित हर एक बन्धु ने इस गरिमामयी आयोजन की मुक्तकंठ प्रशंसा करते हुए रामकुमार भूतड़ा को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन विजय शंकर मूंदड़ा, राधेश्याम भूतड़ा एवं रमेश छापरवाल ने किया। श्रीकांत एवं अमित भूतड़ा ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

सांसद राजेंद्रजी गेहलोत का स्वागत करते हुए श्री भूतड़ा

केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का स्वागत करते अमित भूतड़ा

विधायक दीप्ति माहेश्वरी द्वारा भूतड़ाजी का सम्मान करते हुए

पूर्व सभापति श्री श्याम सोनी, श्री कमल चांडक, श्री के.सी. तापड़िया के साथ...

इनकी नजर में आयोजन...

प्रेरणा व ज्ञान का संगम था अमृत महोत्सव

जन्मदिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला....। हजारों की तादाद में उपस्थित जन मानस का अपार स्नेह, हर एक व्यक्ति नज़दीकी पाने को आतुर, अति प्रफुल्लित भावों से ओतप्रोत प्रत्येक व्यक्ति के मन मस्तिष्क में एक ही बात....गज़ब व्यक्तित्व के धनी हैं हमारे भूतड़ा जी। सच कहूँ तो अमृत महोत्सव आमोद-प्रमोद और मनोरंजन का नही, प्रेरणा और ज्ञान का संगम था। मैं अभिभूत हूँ....

▸▸ **सुरेन्द्र लखोटिया** अध्यक्ष- महेश कल्याण समिति, अजमेर

अद्वितीय था अमृत महोत्सव

मुझे अपने जीवन में कई स्तर के कार्यक्रम देखने का अवसर मिला है, लेकिन यह अमृत महोत्सव अपने आप में अद्वितीय, अनोखा, भव्य, गरिमामय व बेमिसाल कार्यक्रम था। सारा माहेश्वरी समाज जैसे सारी नदियां अपने बंधन भूलकर सागर में समा जाती है, कुछ वैसा ही सागर का स्वरूप था अमृत महोत्सव। इस अवसर पर आपके विराट व्यक्तित्व का रूप सबने देखा। इस अवसर पर जिन लोगो से भी मिलना हुआ उनके दिलो में आपका स्नेह, आपके प्रति आस्था एवं श्रद्धा का भाव था, जो अद्वितीय था।

▸▸ **राजेन्द्र काबरा**, दिल्ली

सेवा अमृत का बरसा रस

श्रद्धेय श्री भूतड़ा का अमृत महोत्सव वास्तव में अपने नाम को सार्थक कर रहा था। इसमें श्री भूतड़ा के जीवन के सेवा पथ के क्षण मानो सेवा अमृत की तरह ही प्रेरक थे। श्री भूतड़ा को मैं अपने पूरे परिवार की ओर से इस अमृत महोत्सव की बधाई देते हुए भावी सुखद व सफल जीवन की कामना करता हूँ।

▸▸ **घनश्याम लाहोटी**, पुणे

श्यामसुन्दर मंत्री बने लॉयन्स डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

प्रान्त 3233 ई 2 प्रान्तीय केबिनेट पदस्थापना समारोह सम्पन्न

कुचामनसिटी। शहर के बूड़सू रोड़ स्थित स्काई वर्ल्ड रिसॉर्ट्स में लॉयन्स क्लब प्रान्त 3233-ई-2 का प्रान्तीय अधिवेशन एवं प्रान्तीय केबिनेट पदस्थापना समारोह सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के 161 क्लबों के 560 सदस्य और अन्य संगठनों के 150 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसमें समस्त पूर्व प्रान्तपाल, उपप्रान्तपाल, अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष शामिल हुए।

प्रान्तीय अधिवेशन की शुरुआत बैण्ड-बाजों पर 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश' की स्वरलहरियों के साथ हुई। तत्पश्चात राष्ट्रीय गीत जन-गण-मन से कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ हुआ। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (प्रान्तपाल) श्यामसुन्दर मंत्री ने कार्यक्रम के शुभारम्भ की घोषणा की। इस अवसर पर मोटीवेशनल स्पीकर कैलाश सोढ़ाणी ने मानव मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि हम लॉयन क्यों है? हमारे देश के प्रति कर्त्तव्य एवं दायित्व क्या है? आज तक वहीं देश विकसित हुआ है, जिसके नागरिकों में राष्ट्रभक्ति कूट-कूट कर भरी हो। उन्होंने कहा कि यदि एक विद्यार्थी एम्स से पढ़ाई करता है तो उस पर सरकार द्वारा करीब 2 करोड़ रुपये खर्च किए जाते है, वही विद्यार्थी पीजी करने के बाद विदेशों में सेवाएं देने के लिए चला जाता है। हमें राष्ट्र के प्रति अपनी सोच को सुधारना होगा।

विश्व भर में सेवा दे रही संस्था

पदस्थापना अधिकारी वामसीधर बाबू ने अपने उद्बोधन में लॉयन्स द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज दुनिया में सर्वाधिक 2,85000 लॉयन सदस्य भारत में है। हम लॉयन सदस्य के मामले में अमेरिका से भी आगे हो गए है, जो अपने आप में गर्व की बात है।

प्रान्त के गौरव पीआईडी वी के लाडीया ने अपने सम्बोधन में लॉयन सदस्यों की संख्या बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े सेवा संगठन लॉयन्स इण्टरनेशनल को सेवा के लिये अधिक हाथ उपलब्ध कराने के

लॉयन्स इन्टरनेशनल अध्यक्ष फैब्रिसिओ ओलिविरा को भारतीय ध्वज प्रदान करते हुए डि. गवर्नर श्री मंत्री

लिए हमें सेवा भावी सदस्यों को जोड़ने के विशेष प्रयास करने चाहिए। अतिविशिष्ट अतिथि ग्लोरिया गिरी ने अन्तर्राष्ट्रीय एवं इसके कार्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रान्तपाल श्री मंत्री ने बताया कि हमारी एक संस्था लायन्स क्लब इन्टरनेशनल फाउण्डेशन है जो विश्व में सेवा के मंदिरों (हॉस्पिटल, ब्लड बैंक, डायलिसिस सेंटर, साईट फ़र्स्ट के प्रोजेक्ट, मधुमेह निदान के सेन्टर आदि) के लिए सहयोग प्रदान करती है साथ ही प्राकृतिक आपदाओं के लिये भी सहयोग करती है।

पूरी कार्यकारिणी ने ली पद की शपथ

पदस्थापना अधिकारी वामसीधर बाबू ने प्रान्तपाल श्यामसुन्दर मंत्री के साथ उप प्रान्तपाल प्रथम रामकिशोर गर्ग, उप प्रान्तपाल द्वितीय निशान्त जैन, प्रान्तीय सचिव सुभाष रांवका, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर सैनी, प्रान्तीय पीआरओ हेमराज पारीक, अतिरिक्त प्रान्तीय सचिव (प्रान्तीय कार्यालय) मनोहर पारीक, क्लब कन्टेस्ट चेयरमैन अभिषेक खजान्ची, आशीष मंत्री, मुकेश डालुका, नरेन्द्र शर्मा, चेतन खालड़का, प्रान्तीय लियो अध्यक्ष राजकुमार लढ़ा, संभागीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष, माइक्रो केबिनेट, डिस्ट्रिक्ट केबिनेट के सभी पदाधिकारियों को लॉयनिज्म के प्रति उनके कर्त्तव्यों की जानकारी प्रदान कराते हुए शपथ दिलाई।

भव्य रूप में निकली वाहन रैली

वाहन रैली में उमड़ा सैलाब-लॉयन्स क्लब द्वारा पद स्थापन से पूर्व वाहन रैली का आयोजन किया गया, जिसमें 128 वाहन शामिल हुए। वाहन रैली का शुभारम्भ शहर के सरला-बिरला कल्याण मण्डपम से हुआ, जो न्यू कॉलोनी, स्टेशन रोड़, लॉयन सर्किल, अम्बेडकर सर्किल, डीडवाना रोड़, अहिंसा सर्किल, बूड़सू रोड़ होते हुए होटल स्काई वर्ल्ड पहुंची। वाहन रैली में सबसे आगे बैण्ड-बाजे, उनके पीछे लवाजमा चल रहे थे। इनके पीछे बग्घी में लॉयन श्री मंत्री एवं उनकी धर्म पत्नी लॉयन शोभा मंत्री सवार थे। इनके पीछे खुली कारों एवं जीपों में पूर्व प्रान्तपाल सवार थे। तत्पश्चात सैंकड़ों की संख्या में वाहनों में संभागीय, क्षेत्रीय अध्यक्ष, प्रान्तीय केबिनेट के साथी, एवं क्लबों के पदाधिकारी शामिल हुए। मार्ग में माहेश्वरी समाज, अग्रवाल समाज, कुचामन विकास समिति, जैन समाज, गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति द्वारा पुष्प वर्षा कर वाहन रैली का स्वागत किया गया।

हॉस्पिटल का भी शुभारम्भ

इससे पहले शनिवार को अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष सहित रीजन चैयरमेन एवं जोन चैयरमेन की स्कूलिंग हुई। लॉयन्स क्लब कुचामनसिटी की चिर-प्रतीक्षित परियोजना लॉयन हॉस्पिटल को भी मूर्त रूप मिला। शहर के सरला-बिरला कल्याण मण्डपम् मार्ग पर क्लब द्वारा नवनिर्मित हॉस्पिटल भवन का समारोह पूर्वक शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर भामाशाह महावीरप्रसाद बगड़िया सपरिवार उपस्थित थे। कार्यक्रम में पी.आई.डी. लॉयन वी.के. लाड़िया, श्यामसुन्दर मंत्री, अरविन्द शर्मा, जेठमल गहलोत, दिलीप तोषनीवाल, डॉ. सुनील जैन आदि उपस्थित थे।

चिकित्सा जांच शिविर हुआ आयोजित

भीलवाड़ा। दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क विशाल चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन काशीपुरी माहेश्वरी भवन पर किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा द्वारा सभी का स्वागत किया गया। शिविर का शुभारंभ अहमदाबाद के समाज सेवी बंशीलाल चेचानी, पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा भदादा, संजीवनी सिद्धा प्रभारी कुंतल तोषनीवाल, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती महिला जिलाध्यक्ष प्रीति लोहिया, नगर अध्यक्ष केदार गगरानी, प्रदेश उपाध्यक्ष संध्या आगीवाल व अंकिता राठी, महिला मंडल नगर अध्यक्ष सुमन सोनी, सचिव सोनल माहेश्वरी आदि द्वारा किया गया। सुशीला असावा व भीलवाडा महिला जिलाध्यक्ष प्रीति लोहिया ने बताया कि भीलवाड़ा के डॉक्टर्स की टीम ने विभिन्न रोगों के लिए टेस्ट किया और उपचार किया। शिविर में मैमोग्राफी, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर, आंख की जांच एवं मोतियाबिंद का ऑपरेशन, नाक कान, गला की मशीनों द्वारा जांच सहित दांतों की निःशुल्क जांच की गई। शिविर ने प्रभारी मधु काबरा, राधा न्याती, इंदिरा अजमेरा, मधु डाड, निशा काकानी, मधु लढ़ा, मोना डाड सहित सह प्रभारी मीनू झंवर, मानकंवर काबरा, उषा पटवारी आदि का विशेष सहयोग रहा।

कल्पवृक्ष का किया रोपण

भीलवाड़ा। नागपंचमी के पावन पर्व पर आर सी व्यास कॉलोनी सेक्टर 10 में स्थित हरिसेवा पार्क में बस्ती वासियों ने 'कल्पवृक्ष' का जोड़ा लगाकर पूजा अर्चना की। क्षेत्र की मीरा विकास समिति के अध्यक्ष नीरज ठाकुर ने बताया कि 'कल्पवृक्ष' वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन नागपंचमी के पावन पर्व पर क्षेत्रवासियों ने किया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के बद्रीलाल सोमानी, सत्यनारायण श्रोत्रिय, नीरज ठाकुर, मंगलराम पाठक, ओम प्रकाश सोनी, सुरेश रावत, विजेंद्र वर्मा, नंदकिशोर पारासर सहित सभी क्षेत्रवासी उपस्थित थे। 'कल्पवृक्ष' को लगाते समय सभी ने महामृत्युंजय और गायत्री मंत्र का जाप भी किया।

'क्षितिज 24' मेले का हुआ आयोजन

इंदौर। माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल द्वारा 8 अगस्त को 'क्षितिज 24' मेले का आयोजन दस्तूर गार्डन में किया गया। अध्यक्ष सुषमा मालू ने बताया कि आयोजित मेले में करीब 125 महिला उद्यमियों द्वारा अपने उत्पाद एवम् कलाकृति के स्टॉल लगाए गये। सचिव सविता भांगड़िया ने बताया कि रिश्तों का 'स्वर्णिम सफर' द्वारा समाज के युवा वर्ग को विवाह के बंधन की पवित्रता एवम सामाजिक व्यवस्था में उपयोगिता का संदेश दिया, साथ ही मेले से होने वाली आय से जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मेला प्रभारी डॉ. वीणा सोनी एवम् आशा सिंगी ने संस्था के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य रजत जयंती समारोह अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। संयोजक पूनम मालपानी व प्रियंका भलिका ने ग्रीन क्वीन, हम हैं माहेश्वरी आदि प्रतियोगिता आयोजित करवाई। संयोजक अन्नपूर्णा मूंदड़ा, नेहा भालिका ने मनोरंजक अंताक्षरी, तंबोला खेलाया गया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश शोभा पसारी, राजेश स्मिता मुंगड़, रमेश शकुंतला चितलंग्या, प्रकाश शारदा अजमेरा, खुशबू सचदेव, तारा मंडोवरा, राजकुमार साबू, जयंत गुप्ता आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। आभार संस्थापक अध्यक्ष मंजू भलिका ने माना।

कुलदेवी का तीन दिवसीय जागरण

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज की 14 गौत्र की कुलदेवी बधर माता मेवाड़ की अरावली पर्वतमाला की पहाड़ी पर चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर ताना गांव में विराजमान हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली के अवसर पर 'गोपाष्टमी' को वार्षिक जागरण रहेगा। राजीव बागड़ी ने बताया कि इसकी तैयारी हेतु जयपुर के समाज बंधुओं ने विद्याधरनगर स्थित श्री कृष्ण धाम पर समाजसेवी ज्योति माहेश्वरी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बधर माता मन्दिर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुंदर सोमानी, संभाजी नगर ने कुलदेवी के निर्माणाधीन भक्तनिवास की रूपरेखा और अब तक की प्रगति पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री मनमोहन बागड़ी मुंबई ने बताया कि इस वर्ष नव कुंडीय 'शतचंडी' महायज्ञ का आयोजन भी रहेगा। पूरणमल मर्दा मालेगांव ने भी सभी परिजनो से आयोजन में शामिल होने की अपील की।

सावन की सैर का हुआ आयोजन

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सावन की सैर यात्रा आयोजित हुई। कार्यक्रम संयोजक अनूप मालू, धीरज मालू, अनुराग सोमानी थे। यात्रा 02 अगस्त 2024 को निजामाबाद से प्रारंभ हुई थी, जो आज 05 अगस्त 2024 को संपन्न हुई। सभी युवा साथी सुबह से ही सुहाना मौसम में कर्जत की सैर व भीवपुरी वॉटरफॉल का आनंद लेते हुए, पुष्पम लॉड्र्स रिजॉर्ट पहुंचे। वहां पर स्विमिंग पूल पार्टी, रेन डांस, डीजे नाइट, गार्डन चेस खेल, क्लब हाउस गेम्स का आनंद उठाया। अगले दिन माथेरान के लिए निकलकर, हसीन वादियों का नजारा, टाय ट्रेन का सफर, घुड़सवारी का भी आनंद उठाया। इस वर्ष कई नए युवा साथियों ने इस सावन की सैर का भरपूर आनंदङ उठाया।

हरियाली अमावस्या पर पिकनिक

बीकानेर। माहेश्वरी समाज बालासिनोर द्वारा हरियाली अमावस्या पर मोढेरा सूर्य मंदिर, बेचराजी, पाटड़ी स्वामीनारायण मंदिर में पिकनिक का आयोजन रखा गया। इसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और पिकनिक का आनंद लिया।

गट्टानी को वूमेन अचीवर्स अवार्ड

भोपाल। दैनिक भास्कर समूह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेष उपलब्धि हेतु वूमेन अचीवर्स अवार्ड 2024 के अंतर्गत नारायण रेकी सत्संग परिवार भोपाल संभाग सेन्टर हेड रेकी मास्टर रेणु गट्टानी को सम्मानित किया गया। आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 37 महिलाओं को यह अवार्ड दिया गया।

लघु-रूद्राभिषेक का किया आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी-हिंगना रोड, नागपुर ने सावन मास के विशेष योग के अवसर पर भगवान महादेव के लघु-रूद्राभिषेक का आयोजन गत 04 अगस्त सुबह 09:00 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक सदाचार भवन, सदाचार सोसाइटी, दत्तवाडी में किया गया। इस आयोजन में मंत्रोच्चारण से 25 दंपतियों ने भगवान शिवजी का रुद्राभिषेक विविध प्रकार के द्रव्यों से पूजा कर किया। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव मीनू भट्टड़, नगर माहेश्वरी महिला सभा-अध्यक्षा नीता सारडा, सचिव ज्योति मंत्री, नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कमल तापड़िया, नगर सभा संगठन मंत्री सुरेश गाँधी, झोन-06 के सचिव अजय नबीरा, रमाकांत कलंत्री सदस्य-झोन 06 आदि शामिल थे। माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी हिंगना की अध्यक्षा- पल्लवी सोमानी, सचिव- संतोष मंत्री, लघु-रुद्राभिषेक की संयोजिका स्मिता राठी, पायल चांडक, कविता पनपालिया, उपाध्यक्षा- चंचल सोनी, कोषाध्यक्षा- यशोदा माहेश्वरी आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

छात्राओं को किया कॉपी वितरण

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में गत 18 जुलाई, 2024 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अंबेडकर नगर (करतारपुरा फाटक के पास), जयपुर की छात्राओं को 1000 कॉपियां वितरित की गयी। नवीं एवं दसवीं कक्षा की छात्राओं को 6 कॉपियों का सेट दिया गया और तीसरी तक की छात्राओं को दो कॉपियों का सेट प्रदान किया गया। इस प्रोग्राम के प्रायोजक रमेश एवं अनिता मूंदड़ा थे। जिला संगठन की मंत्री सविता राठी ने बताया कि इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, रामकिशन सोमानी, जिला मंत्री सविता राठी, जिला उपाध्यक्ष अनिता मूंदड़ा, रमेश मूंदड़ा, जिला उपाध्यक्ष इंदिरा अजमेरा उपस्थित थीं। बच्चों ने हनुमान चालीसा एवं कुछ गाने, भजन आदि प्रस्तुत किये। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं अल्पाहार का आयोजन रखा।

शिवांश का नाम इंटरनेशनल बुक में दर्ज

भीलवाड़। शहर के आरसी व्यास निवासी सुनीता भेरूलाल काबरा के पौत्र साढ़े चार वर्षीय नन्हें बालक शिवांश काबरा द्वारा भगवान शिव पर रचित शिव तांडव स्त्रोत गायन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड बनाया गया। शिवांश की इस उपलब्धि पर उन्हें मेडल और सर्टिफिकेट से नवाजा गया है। सुनीता-भेरूलाल काबरा ने पौत्र शिवांश के शिव तांडव स्त्रोत गायन पर इंटरनेशनल बुक रिकॉर्ड में दर्ज नाम दर्ज होने पर समारोह आयोजित किया। इसमें शिवांश काबरा द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही शिवांश के वीडियो की झलक दिखाई गई। समारोह को प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, महेश प्रगति सेवा संस्थान अजमेर के चेयरमैन श्रीगोपाल राठी, पूर्व सभापति ओम नराणीवाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, श्याम सुंदर सोमाणी सहित कई समाजजनों ने संबोधित किया। इस अवसर पर अरबन बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद राय लढा, समाजसेवी रतन संचेती, माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, नगर अध्यक्ष केदार गगरानी, नगर युवा संगठन अध्यक्ष अर्चित मूंद्रडा आदि भी उपस्थित थे। स्वाति-अभिषेक काबरा के सुपुत्र शिवांश काबरा का पूर्व में भी राम स्तुति का वीडियो जारी हुआ था।

माहेश्वरी प्रीति क्लब का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

इंदौर। किसी भी संस्था में हम जो शपथ लेते है, वो सिर्फ उस संस्था तक ही सीमित न होकर पूरे समाज, राष्ट्र और विश्व के प्रति भी होना चाहिए। उक्त विचार पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने माहेश्वरी प्रीती क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में व्यक्त किये। प्रसिद्ध उद्योगपति आनंद बाँगड ने कहा कि राष्ट्र सेवा के साथ-साथ जरूरतमंदों की सेवा हर व्यक्ति को करना चाहिए। विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि माहेश्वरी प्रीति क्लब के नए अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश कचोलिया सामाजिक व रचनात्मक कार्यों के नए कीर्तिमान रचेंगे। कार्यक्रम में निवृर्तमान अध्यक्ष राहुल विंकी माहेश्वरी एवं सचिव नितिन प्रियंका सोढानी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश संगीता कचोलिया एवं सचिव विजय विजया न्याती को पिन हस्तांतरण कर पदभार सौंपा। अतिथियों ने अध्यक्ष मुकेश संगीता कचोलिया सहित सभी पदाधिकारियों एवं गवर्निंग बॉडी को शपथ ग्रहण करवाई।

माहेश्वरी शिक्षण विकास संस्था के चुनाव संपन्न

गोपाल लाल लोया
अध्यक्ष

प्रो किशन प्रसाद दरक
मंत्री

रमेश डागा
कोषाध्यक्ष

नांदेड़। माहेश्वरी समाज की धरोहर के रूप में पहचान बना चुकी हरिकिशन बजाज मेमोरियल माहेश्वरी शिक्षण विकास संस्था नांदेड़ के कार्यकारी मंडल के चुनाव संपन्न हुए। इसमें बहुसंख्यक सदस्यों ने वर्तमान संचालक मंडल पर विश्वास व्यक्त करते हुए गोपाललाल लोया के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों को विजयश्री दिलाई। इसमें गोपाललाल लोया, प्रो. किशनप्रसाद दरक (मिशन आइएएस 100 के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर), हरिदास भट्टड, रामप्रसाद मूंदड़ा, डॉ. शोभा तोषनीवाल, जगदीश बियानी, ओमप्रकाश इन्नानी, रमेश डागा, परमानंद तोषनीवाल, एड. दीपा बियानी तथा दुर्गाप्रसाद तोषनीवाल विजयी हुए। चुनाव के उपरांत संपन्न प्रथम कार्यकारी मंडल बैठक में संस्था अध्यक्ष गोपाललाल लोया, सेक्रेटरी प्रो. किशनप्रसाद दरक, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश इन्नानी, कोषाध्यक्ष रमेश डागा, सह कोषाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद तोषनीवाल और ज्वाइंट सेक्रेटरी दीपा बियानी चुनी गईं।

माहेश्वरी मिलन महोत्सव

अहमदाबाद। पलाना माहेश्वरी मिलन महोत्सव में इस वर्ष जल झुलनी एकादशी महोत्सव के सौजन्यकर्त्ता अर्जुनलाल, रामेश्वरलाल जागेटिया परिवार से रामेश्वरलाल जागेटिया एवं दोनों सुपुत्र इस महोत्सव में उपस्थित होगे। आगामी 13 से 15 सितम्बर तक मातृभूमि पलाना खुर्द में आयोजित इस महोत्सव में सभी पलाना माहेश्वरी परिवारों को सपरिवार, बहन-बेटियों के साथ पधारने का भाव पूर्ण निमंत्रण दिया गया। उक्त जानकारी सत्यनारायण बाहेती ने दी।

श्रावणी मेले का आयोजन

रतलाम। माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल द्वारा कई वर्षों से श्रावणी मिले का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष मेले का उद्घाटन मंडल अध्यक्ष राजकुमारी काबरा, सचिव अनीता लखोटिया, प्रेमलता मंत्री, अंतिम कचोलिया, सविता झंवर और टीम द्वारा महेश वंदना करके किया गया। श्रावणी मेले का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और कुछ कर दिखाना मुख्य उद्देश्य है। मेले में सभी वर्ग की महिलाओं ने कई सुंदर-सुंदर उपयोगी सामानों की शॉप लगाई। सभी के सहयोग से मेला बहुत ही सराहनीय रहा।

सत्तु के आटे का वितरण

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर, उज्जैन द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चारों प्रकार के चना, गेंहू, चावल एवम् भूँगड़ा सत्तू का आटा पूर्ण शुद्धता के साथ निर्मित कर विक्रय किया गया। साथ ही साथ ऑर्डर पर सत्तू भी बनाकर दिया गया। यह सभी कार्य मंडल की सदस्याऐं ही मिलकर करती हैं।

श्रावण मास में हुआ धार्मिक आयोजन

बागोर। माहेश्वरी महिला मण्डल बागोर की ओर से माहेश्वरी हाल में श्रावण मास के पूरे माह में समाज की महिलाओं द्वारा मध्यान्ह 3-5 बजे तक प्रतिदिन भजन कीर्तन का आयोजन रखा गया, जिसका कृष्ण जन्माष्टमी के दिन समापन हुआ। प्रतिदिन समाज की अलग-अलग महिलाओं द्वारा भगवान को भोग-प्रसाद धराया जाता था। इसी दिन महिला मण्डल की अध्यक्षा रितु बाला सोनी ने अध्यक्ष पद का विसर्जन भी किया।

देवेश भैया को स्वर्ण पदक

जलगांव (जामोद)। समाज के वरिष्ठ नवलकिशोर और उषा भैया के सुपौत्र और जलगांव (खान्देश) निवासी पंकज और पल्लवी भैया के सुपुत्र देवेश भैया ने 56 वें अंतरराष्ट्रीय केमिस्ट्री ओलंपियाड (आय सी एच ओ 2024) में भारत के लिये स्वर्ण पदक जीता, जो इस साल रियाद, सउदी अरेबिया में 21 से 30 जुलाई के बीच आयोजित किया गया। इस साल 1 गोल्ड, 2 रजत व 1 कांस्य मेडल के साथ भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 11 वां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 90 देशों के 327 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय टॉपर्स के साथ प्रतिस्पर्धा की और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड हासिल किया।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई ने मिंट स्ट्रीट स्थित श्री माहेश्वरी भवन के प्रांगण में अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया। तमिलनाडु केरल पॉण्डिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी व माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया तथा राजस्थान एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने सम्बोधित किया। श्री माहेश्वरी सभा सचिव संजय मूंदड़ा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष किशन झँवर, श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष वल्लभ दास कंधारी, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष रविंद्र डागा, श्री माहेश्वरी युवा मंडल के सचिव पंकज मोहता, गौरी शंकर राठी, महावीर मरदा, जेठमल सारडा, जयप्रकाश मालपानी, मुकुल डागा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। सचिव संजय मूंदड़ा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जहां बोलना हो वहीं बोलें और जहां चुप रहना हो वहाँ चुप रहें, ऐसा करने से जिंदगी बड़ी खूबसूरत हो जाती है।

जन्म दिवस पर किया रक्तदान

बूंदी। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष व भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता संजय लाठी ने गत 11 अगस्त को अपने जन्मदिन के अवसर पर पं. बृजसुन्दर शर्मा सामान्य चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इस दौरान ब्लड बैंक में चल रही रक्त की कमी को जनमानस के माध्यम से पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान भाजयुमो नेता विकास शर्मा, ब्लड बैंक प्रभारी नारायण सिंह हाड़ा, नर्सिंग ऑफिसर तजेंद्र कौर व विमला कँवर, काउंसलर लक्ष्मी गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

एक दिवसीय यात्रा सम्पन्न

इंदौर। माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा 15 अगस्त 2024 गुरुवार को आयोजित एक दिवसीय भिलट देव नागलवाड़ी, लक्ष्मी मंदिर उन की यात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यात्रा समन्वयक संजय बाहेती एवं यात्रा प्रभारी जगदीश डागा ने बताया कि इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के सहमंत्री केदार हेड़ा एवं महेश सार्वजनिक ट्रस्ट के मंत्री अश्विन लखोटिया के मार्गदर्शन में निकली इस यात्रा में समाज के 120 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा के पूर्व माहेश्वरी भवन नवलखा पर समाज अध्यक्ष गोपाल लाहोटी ने झंडावंदन किया। यात्रा के संयोजक प्रवीण लद्धड़, ओम प्रकाश चांडक, सुधा गौरानी, सोना कोठारी थे। यात्रियों ने उन में पांडव कालीन महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन किये। यात्रा की व्यवस्था की सभी यात्रियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। यात्रा की व्यवस्था समाज के सहमंत्री सौरभ राठी, उपाध्यक्ष संजय चांडक, संगठन मंत्री दीपक भूतड़ा, कोषाध्यक्ष रामजस जेथलिया, महिला संगठन मंत्री अर्चना भूतड़ा, प्रचार मंत्री सुनीता नवाल ने सम्भाली। युवा संगठन अध्यक्ष भरत डागा, गगन झवर, संजय बिड़ला, गोविंद गिलड़ा, रामनिवास राठी, सुनील गौरानी, विजय मोदानी, मदन राठी, राजेश नवाल, रामअवतार पलोड़, अतुल माहेश्वरी आदि ने सहयोग दिया।

कार्यसमिति बैठक का हुआ आयोजन

भटिंडा। हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत भटिंडा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा चतुर्थ कार्य समिति बैठक सारंग तीज उत्सव के रूप में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रभारी संचार सिद्धा भाग्यश्री चांडक, उत्तरांचल संयुक्त मंत्री मंजू हरकुट, प्रादेशिक अध्यक्ष सीमा मुंदड़ा, प्रादेशिक सचिव अनु सोमानी, पूनम राठी, सुमन जाजू, मंजू भुराडिया, बठिंडा सभा अध्यक्ष के. के. मालपानी, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष संयोग माहेश्वरी, प्रादेशिक ट्रस्ट सचिव सोहन माहेश्वरी आदि की उपस्थिति रही। स्वनियोजिता अंतर्गत बत्ती बनाने वाली मशीन जरूरतमंद महिला को रोजगार हेतु दी गई। सतरंगी झंकार गायन प्रतियोगिता, पारंपरिक गिद्दा नृत्य, तीज प्रस्तुति और देशभक्ति नृत्य का आयोजन हुआ। संजीवनी सिद्धा समिति अंतर्गत प्रोटीन डाइट का वितरण किया गया। रघुकुल रीत सिद्धा समिति अंतर्गत वृद्धाश्रम में भोजन कराया गया। प्रदेश द्वारा आयोजक संगठन का सम्मान करते हुए पुरस्कार वितरण आदि किया गया।

दुर्घटना में 2 मृत 4 घायल

अकोला (विदर्भ)। तेल्हारा से कुछ माहेश्वरी परिवार धर्म यात्रा के लिए श्री बद्रीनाथधाम, श्री केदारनाथधाम दर्शन हेतु गए हुए थे। गत 13 अगस्त को श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखण्ड) में एक अनियंत्रित ट्रक ने भोजन कर बाहर खड़ी कुछ महिला यात्रियों को कूचल दिया। इसमें तेल्हारा निवासी हरीश टावरी की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता टावरी एवं नरेंद्र भैया की धर्मपत्नी श्रीमती गौरी भैया का वहीं पर दुःखद स्वर्गवास हो गया। साथ ही इसी जत्थे की तीन से चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान

रतलाम। महेश मित्र मंडल माहेश्वरी समाज का परिवारिक मिलन समारोह जानकी मंडप बरबड़ मे सम्पन्न हुआ। इसमें समाज एवं मित्र मंडल के वरिष्ठ कन्हैयालाल सारडा, रामेश्वरलाल बाहेती, शांतिलाल डाड, बंशीलाल बाहेती, लक्ष्मीनारायण मालपानी आदि वरिष्ठ का सम्मान किया है। स्वागत उद्बोधन मंडल अध्यक्ष प्रहलाद लड्ढा ने दिया। इस अवसर पर मित्र मंडल के सदस्य मोहनलाल तोषनीवाल, अशोक जागेटिया, रमेश गेलडा, रमेश धुत, रमेश सोमानी, पूनमप्रकाश भंसाली, अनिल मुन्दडा, महेश तोषनीवाल, सुनील परवाल, गोपाल काबरा, गोपाल राठी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सभा सचिव जितेन्द्र तोषनीवाल ने किया एवं आभार श्याम झंवर ने व्यक्त किया।

इस्कॉन रथयात्रा का किया स्वागत

ग्वालियर। बृहत्तर ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 13 जुलाई को इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्णा कांशियसनेस (ISKCON) की भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का स्वागत, पूजन-आरती श्रीबालाजी मंदिर डीडवाना ओली पर किया गया और प्रसाद वितरण किया गया। इस यात्रा में इस्कान के वरिष्ठजन सहित समिति अध्यक्षा ऐश्वर्या गोदानी, सचिव रिद्धि परवाल, आरती परवाल, रिचा माहेश्वरी आदि शामिल हुईं।

सावन की पिकनिक का आयोजन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा हरियाली तीज सिंजारा एवं सावन पिकनिक का एकदिवसीय आयोजन गंगा महादेव मंदिर, अमका झमका मंदिर एवं मोहनखेड़ा मंदिर में किया गया। इस पिकनिक में सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया। सुबह नाश्ता, दिन भर चटर-पटर, हाईटी व भोजन करते हुए दिन भर मस्ती मजाक हंसी-खुशी के साथ सभी सखियों ने सिंजारा मनाया। समन्वयक मेघा मालपानी, संयोजक संगीता बियानी व वंदना मुंदड़ा ने पूरे कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न किया। कार्यक्रम की समीक्षा संस्थापक अध्यक्ष दीप्ति भूतड़ा द्वारा प्रस्तुत की गई व आभार क्षेत्रीय अध्यक्ष साधना कचोलिया द्वारा व्यक्त किया गया।

सावन की पिकनिक का आयोजन

रायपुर। सावन के मौसम का मजा लेने के लिए माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा 'सावन का उल्लास' पिकनिक का आयोजन किया गया। यह आयोजन गत 1 अगस्त को किया गया। इसमें बस द्वारा करीब 40 से 50 महिलाये पिकनिक के लिए टेंशन फ्री रिजॉर्ट पहुंची। इसमें मध्यांचल सहप्रभारी प्रतिभा नत्थानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदा भट्टर, अध्यक्ष प्रगति कोठारी, सचिव कल्पना राठी, कार्यक्रम संयोजिका नीता लखोटिया, संगीता चांडक, मधुलिका नत्थानी, रमा मल, शशि मोहता, शशि काबरा, ज्योति सारडा, भावना मर्दा, शशि बंग सहित करीब 40 से 45 अन्य माहेश्वरी समाज की चिरपरिचित महिलाऐं भी शामिल थीं। नीलिमा लड्ढा ने बताया कि महिलाओं ने रेन डांस का मजा लिया, साथ ही पूल में भी खूब इंजॉय किया। सावन पर शिव पार्वती पर आधारित गेम खेले गये।

छात्र एवं छात्राओं को रेनकोट वितरित

वरंगल। माहेश्वरी युवा संघटन वरंगल द्वारा इस बारिश के मौसम में जरूरतमंद छात्र एवं छात्राओं के बीच मुफ्त रेनकोट वितरित किए गए। इसके अन्तर्गत रूद्रमांबा स्कूल गोविंदराजू गुट्टा वरंगल तथा लक्ष्मीपुरम सरकारी स्कूल, वरंगल में कुल 125 रेनकोट वितरित किए गये। इस कार्यक्रम में वरंगल 27वें डिवीजन के पार्षद चिंताकुला अनिल एवं वरंगल माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर जाखोटिया, मंत्री रामकिशोर मनियार, सह मंत्री नवल किशोर मुंदड़ा, गोपाल दरक एवं वरंगल युवा संगठन के अध्यक्ष संदीप मुंदड़ा, मंत्री प्रतीक लाहोटी एवं कार्यक्रम के संयोजक सिद्धार्थ मनियार, मुकेश बंग, निखिल बजाज, अनिल सोनी, विशाल सोनी, केशव मूंदड़ा, जयप्रकाश बंग आदि उपस्थित थे।

अगर उपवास करके भगवन खुश होते तो इस दुनिया में बहुत दिनों तक खाली पेट रहने वाला भिखारी सबसे सुखी इंसान होता। उपवास मन का नहीं, बल्कि विचारों का करना चाहिये।

महिला संगठन की तृतीय कार्य समिति बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चतुर्थ सत्र की तृतीय कार्य समिति बैठक जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में आयोजित की गई। उदयपुर जिला अध्यक्ष मंजू गांधी के स्वागत उद्बोधन के बाद प्रदेश सचिव सुशीला असावा द्वारा दिवंगतजनों को श्रद्धांजलि दी गई। प्रदेश अध्यक्ष श्री कोगटा ने प्रदेश के स्थाई प्रोजेक्ट हाट बाजार, मेडिकल बैंक, कन्यादान आदि के बारे में बताया तथा सदस्याओं को स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार के लिए प्रेरित किया। कोषाध्यक्ष विनिता बाहेती ने आय-व्यय की जानकारी दी। चंदा नामधर ने सामाजिक एकता व अखंडता पर बल दिया। शुभकामना संदेश निवर्तमान अध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल द्वारा दिया गया। भूतपूर्व कोषाध्यक्ष कौशल्या गट्टानी द्वारा आशीर्वचन एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री ममता मोदानी द्वारा शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया। कुछ समय के लिए खुला मंच रखा गया। प्रदेश सचिव सुशीला असावा द्वारा आभार प्रस्तुत किया गया। दोपहर 12.00 बजे बाद सत्र की द्वितीय बैठक प्रारंभ हुई, जिसमें पारिवारिक रिश्तों का महत्व रघुकुल रीत सिद्धा समिति पथ प्रदर्शक पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा भदादा एवं पश्चिमांचल सह प्रभारी श्रद्धा गट्टानी तथा प्रदेश समिति संयोजिका मानकंवर काबरा द्वारा नाटिका की प्रस्तुति के साथ ''जिंदगी का सफर रहे बेफिकर'' कार्यक्रम में सभी डॉक्यूमेंट एक ही पेपर में लिख कर अपने पास सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई। उदयपुर जिला सचिव रेखा असावा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालन छवि भदादा एवं सीमा लाहोटी ने किया। बैठक में मनोरमा कालिया, सरिता न्याति, संध्या आगीवाल, पूनम भदादा, अंकिता राठी, मीनू झंवर, मोना डाड, प्रेम मानधना, मधु देवपुरा, पायल चेचानी, आशा नराणीवाल सहित कई सदस्याएं उपस्थित रहीं।

प्रतिनिधियों ने देखा महात्मा गांधी सर्वोदय भवन

औरंगाबाद। रेलवे स्टेशन परिसर में सिल्क मिल कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी सर्वोदय भवन में देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर स्थानीय गतिविधियों का जायजा लेकर चर्चा की। इस अवसर पर ज्ञानप्रकाश मोदाणी ने अतिथियों का स्वागत किया और महात्मा गांधी सर्वोदय भवन की ओर से जारी कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर महात्मा गांधी के तत्व विचारों पर चिंतन भी किया गया।

बहुत फर्क होता है मजे में और आनंद में।
मजे के लिए पैसे की जरूरत होती है और आनंद के लिए सिर्फ परिवार और मित्र की।

देहदान का लिया संकल्प

बूंदी। शहर की मधुवन कॉलोनी निवासी राजकीय शिक्षिका सावित्री सोमानी ने शहर में शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा चल रहे सेवा कार्य नेत्रदान, अंगदान व देहदान से प्रेरित होकर अपने 58 वें जन्मदिन पर अपना देहदान का संकल्प पत्र भरकर संस्था के ज्योति मित्र संजय लाठी को सौंपा। देहदान संकल्प करने में उनके पति राम प्रसाद सोमानी (सेवानिवृत्त प्राचार्य) एवं पुत्र हिमांशु और अंकुश सोमानी ने अपनी सहमति प्रदान की है। ज्योति मित्र संजय लाठी ने संस्था की ओर से श्रीमती सोमानी को देहदान संकल्प के उपरांत प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

नितिन बने बैंक पीओ

लेसवा (भीलवाड़ा)। समाज की वरिष्ठ कमला बाई धर्म पत्नी स्व. श्री घीसूलाल सोमानी के सुपौत्र एवं ललिता राजेश सोमानी (प्रमुख माहेश्वरी युवा संगठन लेसवा) के सुपुत्र नितिन सोमानी की बैंक ऑफ बड़ौदा वर्धा (महाराष्ट्र) में प्रोबेशनरी ऑफिसर के पद पर नियुक्ति हुई। इस उपलब्धि पर माहेश्वरी युवा संगठन लेसवा ने हर्ष व्यक्त किया।

मधुर को 9.125 CGPI

अकोला (महा.)। समाज सदस्य भारती व प्रकाश के सुपुत्र मधुर सारडा ने मुंबई के विद्यालंकार कॉलेज से B.E (Electronics) की परीक्षा 9.125 CGPI से उत्तीर्ण की। अभी उनकी मल्टीनेशनल कंपनी केपजेमीनी मे सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति हुई है।

काबरा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई। अजमेर (राजस्थान) के मूल निवासी व मुंबई निवासरत सीए अर्पित जगदीश काबरा को फॉरेंसिक अंकेक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें ब्रिटिश संसद में प्रदान किया गया, जो उनके कार्य की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को दर्शाता है। श्री काबरा ने कम उम्र में ही वेस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (WIRC) ऑफ ICAI के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयास और WIRC में शुरू किए गए प्रोजेक्ट्स ने उन्हें यह सम्मान दिलाया।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा 'महेश अन्न सेवा' का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के भामाशाह श्यामलाल - संजुलता मालपानी (हरमाड़ा) के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गत 30 जुलाई को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, संयोजक शंकरलाल लड्ढा, शिक्षा सचिव एम.जी.पी.एस. घनश्याम कचोलिया, रामप्रसाद कांकाणी, परशुराम बागड़ी, पुष्पा देवी बियानी, पुलकित धूत, शुभांशु, नितिन, आशीष, सुनीता मालपानी एवं मालपानी परिवार सहित समाज के कई गणमान्य प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जब जल गंदा हो तो उसे हिलाते नहीं, बल्कि शांत छोड़ देते हैं जिससे गंदगी अपने आप नीचे बैठ जाती है। इसी प्रकार जीवन में परेशानी आने पर बैचेन होने के बजाय शांत रहकर विचार करें, हल जरूर निकलेगा।

शशि लाहोटी को प्रथम पुरस्कार

कोलकाता। भारत सरकार और भारत न्याय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पूरे भारतवर्ष में शशि लाहोटी की प्रविष्टि को प्रथम स्थान पर चुना गया। भारतीय न्याय विभाग द्वारा आयोजित 'हमारा संविधान हमारा सम्मान' कैंपेन की दूसरी रीजनल इवेंट में उन्हें प्रयागराज आमंत्रित किया, जिसमें इलाहाबाद न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और भारत के कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा सम्मानित किया गया। इसके लिए उन्हें सम्मान निधि और सर्टिफिकेट प्रदान किया। आने जाने रहने की पूरी व्यवस्था भारत सरकार द्वारा की गई थी। यह पूरा आयोजन डीडी न्यूज़ चैनल और मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एंड जस्टिस यूट्यूब चैनल पर लाइव टेलीकास्ट हुआ।

ब्राह्मण कन्या के विवाह में योगदान

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन 6 द्वारा 9 जुलाई, 2024 को सम्पन्न एक गरीब ब्राह्मण परिवार की कन्या सुश्री प्रीति शर्मा के विवाह में करीब एक-डेढ़ लाख रूपये के उपहार कन्यादान में दिये गए। उपहारों में सोने व चाँदी के आभूषण, वॉशिंग मशीन, मिक्सर ग्राइंडर, इस्त्री, गृहस्थी व रसोई के विविध सामान, साड़ियाँ, सूट, पैंट-शर्ट, मेवे इत्यादि सामान भेंट किया। इस आयोजन में जोन के सभी पदाधिकारियों एवं कुछ सदस्यों ने मात्र 2-3 दिन में सम्पर्क कर उपहार एकत्रित कर पूर्ण निष्ठा, सहयोग एवं उदारता का परिचय दिया। जोन की अध्यक्ष सुलभा सारड़ा ने बताया कि जिला की अध्यक्ष उमा सोमानी का पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन मिला। जोन 6 की अध्यक्षा सुलभा सारड़ा, मंत्री मेघा झंवर, सुलोचना बांगड़, शोभा बजाज, हेमलता सारड़ा, अनिता परवाल, सीमा माहेश्वरी, नुपुर मोदानी, सुमन सामरिया एवं प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्या उमा अजमेरा, जिला की कार्यालय मंत्री रजनी पेड़ीवाल, सिंपल फलोड़, सुनीता मुंदड़ा, माया तोषनीवाल आदि भी उपस्थित रही। दिल्ली से रश्मि माहेश्वरी का भी इस अवसर पर विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम की जिला संरक्षक उमा परवाल एवं जिला मंत्री सविता राठी ने भी कार्यक्रम की सराहना की।

संगम समूह द्वारा 1 लाख पौधे व 5 हजार ट्री गार्ड का वितरण

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा की हरियाली बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए सोनी हॉस्पिटल परिसर में संगम उद्योग समूह की महत्वाकांक्षी योजना पौधे एवं ट्री गार्ड वितरण का शुभारंभ जिला कलेक्टर नमित मेहता ने किया। इसमें 1 लाख पौधों व 5 हजार ट्री गार्ड का वितरण होगा।

कलेक्टर श्री मेहता ने कहा कि संगम उद्योग समूह द्वारा एक लाख पौधे और 5 हजार ट्री गार्ड का वितरण कर भीलवाड़ा को हरा भरा एवं खुशहाल बनाना प्रेरणास्पद है। अन्य उद्योगपतियों को भी शहर को हरा भरा बनाने हेतु आगे आना चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने कहा कि संगम उद्योग समूह का यह अभियान भीलवाड़ा को हरा-भरा बनाने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। भीलवाड़ा उपखंड अधिकारी आव्हाद निवृत्ति सोमनाथ ने अभियान की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए संगम समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी का आभार व्यक्त किया। संगम उद्योग समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी ने शहरवासियों से आव्हान किया कि पर्यावरण के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में महिलाएं, पुरुष व बच्चे अधिक से अधिक पौधे लगाकर पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प लें। समूह के वाइस चेयरमैन एस. एन. मोदानी एवं प्रबंध निदेशक अनुराग सोनी ने बताया कि अभियान के तहत 1 लाख पौधों व 5 हजार ट्री गार्ड का वितरण आमजन एवं विद्यालय, श्मशान, सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों को किया गया। कार्यक्रम प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि 8 दिन तक चले पौधा एवं ट्री गार्ड वितरण अभियान में विधायक अशोक कोठारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, आयुक्त हेमाराम चौधरी व जिला वन अधिकारी गौरव गर्ग का आतिथ्य रहा। अभियान में पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, उद्योगपति लादूराम बांगड़, दिनेश नौलखा, पीएम बेसवाल, कैलाश नुवाल, जे सी लड्ढा, डी पी मंगल, गोपाल राठी, समाजसेवी कैलाश कोठारी, राधेश्याम चेचानी, सीए दिलीप गोयल, संगम समूह के वी के सोडाणी, अनुराग सोनी, कृपि सोनी, प्रनल मोदानी आदि मौजूद रहे। श्री जाजू ने बताया कि पौधा व ट्रीगार्ड वितरण में मुकेश अजमेरा, गुमानसिंह पीपाड़ा, श्याम बिड़ला, हिम्मत पारीक, जमनालाल जोशी का सहयोग रहा।

प्रसुताओं को स्मृति चिह्न के रूप में पौधे भेंट

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा स्तनपान सप्ताह के पांचवें दिन मदर मिल्क बैंक में प्रसुताओं को स्मृति चिन्ह के रूप में पौधा भेंट किया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि मां का दूध बच्चों के लिए अमृत के समान होता है। उसी प्रकार प्रकृति के लिए पौधारोपण जरूरी होता है। सोसायटी सदस्यों द्वारा मदर मिल्क बैंक का निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग ऑफिसर सुनीता मीणा, नर्सिंग ऑफिसर, सीमा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सिगरेट जरूरी नहीं है, लेकिन उसे बनाने वाला बहुत अमीर है। शराब जरूरी नहीं है, लेकिन उसे बनाने वाला बहुत अमीर है। खाना बहुत जरूरी है लेकिन उसे उगाने वाला आज भी बहुत गरीब है। सुख-दुःख जीवन की बगिया के दो पौधे हैं और मनुष्य स्वयं उसका माली है।

स्कूल में आयोजित सेवा कार्यक्रम

वरंगल। माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी युवा संगठन वरंगल द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में वरंगल में गोविंदराज गुट्टा के पास सरकारी ऐडेड पाठशाला में सेवा कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसमें समाज द्धारा छात्र-छात्राओं को नोट बुक्स, पेन, पेंसिल, कम्पास बॉक्स सेट आदि वितरित किये गए। छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास करने के लिए ग्रीन नेट भी दिया गया। माहेश्वरी युवा संगठन द्धारा सभी बच्चो के लिए, उपस्थित माता पिता, पाठशाला के टीचर्स एवं कर्मचारियों के लिए मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गयी। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रह्लाद सोनी, मंत्री राम किशोर मनियार, कोषाध्यक्ष जीतेन्दर मूंदड़ा, माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, मंत्री प्रतीक लाहोटी, अखिल भारत वर्षीय महा सभा के कार्यकारणी सदस्य रमेश चंद बंग, तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक सभा के उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी, ब्रिज गोपाल लाहोटी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी समाज मंत्री राम किशोर मनियार ने दी।

महिलाओं ने किया वन विहार

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 10 अगस्त, 2024 को वन विहार कार्यक्रम सामोद में आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष उमा सोमानी जिले की करीब 100 महिलाएं जयपुर से बसों द्वारा बृज सामोद रिसोर्ट पहुँची। रेनवाल से भी 8-10 महिलाएं सम्मिलित हुई। वहाँ से जीपों द्वारा 5 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर स्थित स्वयंभू मालेश्वर महादेव के दर्शन करने गए। महिलाओं ने महादेव का अभिषेक किया, बिल्व पत्र चढाए। पहाड़ी से बहते झरनों एवं हरियाली के दृश्यों को देख कर सब अभिभूत हुए। जिला मंत्री सविता राठी ने बताया कि रिसोर्ट के तरणताल में सभी बहिनों ने मस्ती के साथ नहाने का लाभ लिया। रिसोर्ट के हाल में बैठकर हाउजी खेली। श्रावण मास में रिसोर्ट के विशाल गार्डन में उत्साह से कई नृत्य-गायन के कार्यक्रमों के साथ फोटोग्राफी की। प्रचार एवं संगठन मंत्री ममता जाखोटिया ने बताया कि इस वन विहार कार्यक्रम में जिला, प्रदेश एवं विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

कोयंबटूर। गत 11 अगस्त को लक्ष्मी देवी मूलचंद करनानी प्रादेशिक स्तर बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कोयंबटूर माहेश्वरी युवा परिषद और तमिलनाडु केरल पांडिचेरी युवा संगठन के संयोजन में हुआ। इसमें पांडिचेरी, सेलम, कोयंबटूर, चेन्नई, कालीकट, कोचीन, इरोड और TKP की टीम शामिल थी। फाइनल्स मुकाबला इरोड की टीम जय महेश और कोयंबटूर की टीम राइडर्स के बीच हुआ। इसमें इरोड की टीम जय महेश ने विजय हासिल की।

काल्या का चित्तोड़गढ़ भ्रमण

चित्तौड़गढ़। अल्प प्रवास के दौरान युवा साथियों एवं समाज बंधुओ के साथ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद सोनी, राष्ट्रीय युवा संगठन के निवर्तमान संयुक्त मंत्री सुरेंद्र रांधड़ ने भेंट की। इस दौरान उनका पवन धूत-संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल, मध्य राजस्थान प्रादेशिक युवा संगठन, नागौर जिला युवा संगठन, परबतसर युवा संगठन के सदस्यों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। परबतसर माहेश्वरी पंचायत एवम महिला संगठन के साथ-साथ मध्य राजस्थान महिला संगठन एवम नागौर जिला महिला संगठन ने भी अतिथियों का स्वागत एवम अभिनंदन किया। मंच पर भगवान बंग (संयुक्त मंत्री, सेवा सदन पुष्कर), कमल मूंदड़ा (संयुक्त मंत्री प्रादेशिक सभा), कैलाश मूंदड़ा (मंत्री, जिला सभा नागौर), नाथूलाल धूत (पंचायत अध्यक्ष परबतसर) श्रीकांत दरगड़ (निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष) का भी स्वागत अभिनंदन किया गया। सुरेंद्र रांदड़ एवम प्रदेश अध्यक्ष मधुर गिलड़ा द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। पवन धूत और अजय राठी (जिला अध्यक्ष, नागौर युवा संगठन) ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन प्रदेश महामंत्री रोहित हेड़ा ने किया।

जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो बहरे हो जाओ क्योंकि अधिकतर लोगों की बातें मनोबल गिराने वाली ही होती हैं।

श्रावण मास में चैतन्येश्वर महादेव मंदिर के दर्शन

नागपुर। नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा की श्रीक्षेत्र अंभोरा में चैतन्येश्वर महादेव मंदिर दर्शन यात्रा सानंद संपन्न हुई। प्रकाश चांडक ने बताया कि अंभोरा शिव मंदिर नागपुर जिले के सबसे पुराने शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। इस यात्रा में संस्था के 130 वरिष्ठ पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मीकांत चांडक और स्वाति कमल तापड़िया थे। संस्था अध्यक्ष कन्हैयालाल मानधना, उपाध्यक्ष दामोदरलाल तोषनीवाल एवं बद्रीनारायण छापरवाल ने यात्रा का मार्गदर्शन किया। सचिव मधुसूदन सारडा ने यात्रियों का आभार व्यक्त किया। इस यात्रा में विनोद लखोटिया, वसंत सांवल, गिरधरलाल सारडा, गोपाल सादानी, सुरेश गांधी, रामअवतार तोतला, सुभाष चांडक, मुरली गांधी, डॉ. के.जी. डांगरा, प्रेमनाथ राठी, सुभाष गांधी, रमेश पचसिया, विट्ठलदास तापड़िया, विजय पचीसिया, बृजमोहन सारडा, हेमंत कलंत्री, रामवतार हुरकट, गोवर्धन काबरा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

बधर माता मंदिर में सात कुण्डीय यज्ञ

चितौड़गढ़। सोमानी, मर्दा, बागड़ी, छापरवाल, गदिया, मक्कड़ सहित अन्य कई माहेश्वरी खापों की कुलदेवी मेवाड़ के चितौड़गढ़ जिले में ताना गाँव की पहाड़ियों पर विराजित हैं। यह नयन रम्य स्थान चितौड़, श्री नाथद्वारा, उदयपुर से लगभग 70 किलो मिटर तथा सावरिया सेठ से 40 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। निकटम हवाई अड्डा उदयपुर, रेलवे स्टेशन मावली और फतेनगर है। श्री बधर माता सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित भक्त निवास में रहने व भोजन की निःशुल्क व्यवस्था है। भक्तों की सुविधा हेतु ट्रस्ट द्वारा अत्याधुनिक चार मंज़िल भक्त निवास का निर्माण कार्य निरंतर प्रगति पथ पर है, ग्राउंड फ्लोर की छत का निर्माण हो गया है। सुसज्ज़ित वातानुकूलित कमरे, दो सत्संग हॉल, रसोई घर, भोजन शाला, स्वागत कक्ष, भव्य गार्डन के साथ पार्किंग की सुविधायुक्त यह भवन होगा। प्रतिवर्ष गोपाष्टमी में पर माताजी का उत्सव होता है। इस वर्ष गोपाष्टमी पर 7 नवंबर से बधर माता धाम में नौ कुण्डी शत चंडी यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में 8 नवंबर को श्री नाथ सत्संग मंडल, चितौड़ द्वारा संगीतमय भजन संध्या तथा 9 नवंबर को यज्ञ की पूर्णाहुति - महाप्रसादी के साथ होगी। ट्रस्ट के सह सचिव गोविंद सोमानी के अनुसार जो भक्त 20 अक्तूबर तक पधारने की सूचना 93948-58498 गोविंद सोमानी अथवा पूरण मर्दा 89993-08378 के व्हासऐप पर देंगे, उन्हीं श्रद्धालुओं के आवास की व्यवस्था की जाएगी। अध्यक्ष श्याम सुंदर सोमानी (औरंगाबाद), सचिव मनमोहन बागड़ी (मुंबई) ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

श्रद्धांजलि

श्रीमती राधादेवी काकाणी

इंदौर। श्रीमती राधादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलालजी काकाणी लुनी जिला रतलाम वाले का स्वर्गवास इन्दौर में गत 13 अगस्त 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवन के 100 वर्ष इसी गुरु पूर्णिमा पर पूर्ण कर देवलोक सिधारी। वे अपने पीछे पांच पीढ़ी छोड़कर गई है। अपने देवलोक जाने के कुछ घण्टों पूर्व पूरे परिवार से मिल कर बताया था कि मैं जा रही हूँ। उसके 4 घण्टे पश्चात् उनका स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे पांच बेटे कृष्णगोपाल, सुरेश, राजेन्द्र, दिनेश व किशोर काकाणी एवं तीन पुत्रियों सहित पौत्र पौत्री व नातिन आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे अत्यन्त धार्मिक प्रवृत्ति की थी।

उपलब्धि

माधव बने सीए

हापुड़। जिला माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष मुकेश माहेश्वरी के सुपुत्र माधव माहेश्वरी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि जनवरी में आये रिजल्ट में उनके बड़े भाई वैभव माहेश्वरी ने भी सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अर्चना को 95% अंक

मदनगंज-किशनगंज। समाज सदस्य शंकरलाल व राजकुँवर झँवर की सुपुत्री अर्चना ने 12वीं की परीक्षा में 95% अंकों से कॉमर्स संकाय में उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रीतिश को 98.4% अंक

नागदा (म.प्र.)। समाज सदस्य आलोक मोहता के सुपुत्र प्रीतिश ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 98.4% अंकों से उत्तीर्ण की।

आयुष को 97.2% अंक

नागपुर (महा.)। समाज सदस्य सुशील व बरखा राठी के सुपुत्र आयुष को 97.2% अंक सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में प्राप्त हुए।

नमामि को 94% अंक

नागदा (म.प्र.)। समाज सदस्य सौरभ मोहता की सुपुत्री नमामि ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा आयोजित ABMM कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या उपस्थित हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि अंतिम छोर पर बैठे कार्यकर्ता को पहचान कर आगे लें। इससे समाज में एक नई जागृति आएगी और कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर समाज उत्थान में और अधिक कार्य हो सकेंगे। महाराष्ट्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मधुसूदन गांधी और सतीश चरखा द्वारा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। कैलाश सोनी व आशीष जाखोटिया सहित अनेक गणमान्यजनों की कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

सातुड़ी तीज सिंजारा कार्यक्रम

इंदौर। दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन, इंदौर द्वारा आयोजित सातुड़ी तीज सिंजारा कार्यक्रम नो मंच और नो गेस्ट के आधार पर आयोजित किया गया। क्षेत्र के सभी महिलाओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में मेहंदी, नाश्ता और भोजन के साथ ही चेयर रेस, तंबोला, पेपर गेम्स के साथ पूरा दिन मनोरंजन किया। इसके साथ ही हरियाली क्वीन प्रतियोगिता आयोजित हुई। सत्तू सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम भावना झंवर और द्वितीय संगीता बियाणी रहीं। अनेक प्रतियोगिताओं के साथ प्रश्न उत्तर भी तीज से संबंधित पूछ कर सभी विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में अध्यक्ष साधना कचोलिया, मंत्री पिंकी काकाणी, संस्थापक अध्यक्ष दीप्ति भूतड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष अन्नपूर्णा मूंदड़ा, कार्यक्रम संयोजक सीमा बैड़िया, भावना झंवर, निशा कचोलिया, कल्पना जाजू, संगीता बियाणी आदि उपस्थित थीं।

काबरा बने सीएस

सूरत। प्रताप नगर निवासी ललिता - ओमप्रकाश काबरा के पौत्र तथा सुलेखा - विशाल काबरा के सुपुत्र - विनायक काबरा ने सीएस की परीक्षा प्रथम प्रथम प्रयास व उत्कृष्ट रेंक से उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि उन्होंने गुजरात के सूरत से सीए का कोर्स किया। साथ ही सीएस की परीक्षा भी दी।

रजत जयंती पर रुद्राभिषेक

कोलकाता। हावड़ा माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा मंच द्वारा रजत वर्ष के अवसर पर आयोजित शिवपूजन एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थ मंत्री राजकुमार काल्या मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। छीतरमल धूत व रमेश तापड़िया भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने इस अवसर पर हावड़ा माहेश्वरी समाज द्वारा बनाए जा रहे भव्य भवन 'मंगलम' का भी अवलोकन किया।

कावड़ और तिरंगा यात्रा निकाली

इंदौर। माहेश्वरी फ्रेन्ड्स ग्रुप के सदस्य दम्पत्ति द्वारा मुकुट मांगलिक भवन में पंडित पवन तिवारी के मार्गदर्शन में भगवान शिवजी का अभिषेक और पुष्प मालाओं से विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान शिवजी की पालकी यात्रा के साथ कावड़ यात्रा और तिरंगा यात्रा भी भजन गाते हुए निकाली गई। उपरोक्त कार्यक्रम के मुख्य यजमान गोपाल मंजुला अजमेरा व दिनेश शीला चितलांग्या थे। कार्यक्रम में सुरेश जमना राठी, सम्पत कुमार राधा साबू आदि ग्रुप के सदस्य दम्पत्ति उपस्थित थे। जानकारी प्रचार मंत्री सम्पत कुमार राधा साबू ने दी।

खरी-खरी...

सुबह शिष्यों से संयम-शील का,
लेते वचन देखे

वही संध्या समय में,
काम-क्रीड़ा में मगन देखे

यही तो आचरण है,
आजकल के संत पुरुषों का

दिलों में खूब कालिख है,
मगर उजले वदन देखे

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

मालेगाँव। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत माताजी श्रीकांता देवी मूंधड़ा की स्मृति में मालेगांव रिमांड होम में पौधारोपण सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा द्वारा किया गया।

बीकानेर। समीरकुमार बिन्नानी ने अपनी पत्नी कोमल व पुत्री दक्षता तथा पुत्र मानसकुमार के साथ बीकानेर में अपनी माताजी की याद में पौधारोपण किया।

भाई ने उपहार में दिए पौधे लगे गमले

भीलवाड़ा। रक्षाबंधन पर्व पर इस बार भाई ने अपनी कलाई पर रक्षासूत्र बंधवाने के साथ ही अपनी बहन को पौधे लगे गमले उपहार में दिए व उनकी सुरक्षा का वादा लिया। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की बहन विमला दरक व मंजू मालीवाल ने कलाई पर राखी बांधी तो श्री जाजू ने उपहार में पौधे लगे गमले भेंट किए। श्री जाजू ने कहा कि पौधे लगे गमले हम सबके साथ प्रकृति की रक्षा करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से भी आग्रह किया है कि वे भी पौधे लगे गमलों का उपहार दे ताकि प्रकृति की प्रदूषण से रक्षा की जा सके। हरियाली बढ़ाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस अवसर पर सीताराम मालीवाल, राकेश दरक व सुशीला जाजू आदि मौजूद थीं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

रतनगढ़। माहेश्वरी भवन में 78 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्याम सुंदर सोनी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष मंजू देवी लढ़ा द्वारा देशभक्ति कविता का वाचन किया गया। उसके बाद महिला मंडल द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। बच्चो द्वारा महिला मंडल के साथ मिलकर देशभक्ति से ओतप्रोत गानो पर प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, ट्रस्टी नरेंद्र झंवर, रतनगढ़ तहसील अध्यक्ष राकेश जाजू, रामावतार चांडक, श्याम सुंदर सोनी, अनरव जाजू, योगेश लढ़ा, मंजू लढ़ा, जय श्री जाजू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा मंडल अध्यक्ष पूर्णिमा लढ़ा ने किया।

जहाँ झूठ बोलकर किसी की मदद होती है या किसी की जान बचाई जा सकती है, वहाँ झूठ सच से बढ़कर होता है।

आशीष सोमाणी सम्मानित

जयपुर। गत दिनों आयोजित सम्मान समोरह में एस जी ग्रुप के निदेशक आशीष सोमाणी को मीडिया व एडवरटाइजिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ''मीडिया एजेंसी ऑफ़ दी ईयर'' का सम्मान दिया गया। यह सम्मान उन्हें प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल द्वारा प्रदान किया गया। आशीष सोमाणी ने यह अवार्ड अपनी टीम और क्लाइंट्स को समर्पित किया।

प्रदेश युवा संगठन की बैठक संपन्न

गुजरात। प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यकारिणी बैठक पोलो फारेस्ट जोन गुजरात में अरावली जिला युवा संगठन के आतिथ्य में रामप्रकाश झंवर, सूरत की अध्यक्षता में सम्पन हुई। बैठक में पूरे गुजरात से 100 से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया। बैठक में संगठन के अभी तक के कार्य, सामाजिक नेटवर्किंग, पॉडकास्ट सेशन एवं व्यापार में एक दूसरे की मदद कैसे करें, उस पर चर्चा की गई। इसके साथ इनडोर गेम्स, ट्रैकिंग, तैराकी का आयोजन भी किया गया। मध्यांचल से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिमांशु चांडक-नागपुर, संयुक्त मंत्री मनीष चांडक-अहमदाबाद एवम प्रदेश मंत्री मयंक बागडी, संगठन मंत्री निखिल काबरा, कोषाध्यक्ष आशीष तापड़िया, राष्ट्रीय कार्यसिमिति से लव ऋषि झंवर, सूरत से आशीष बजाज, दिनेश राठी, रवि बाहेती, रजनीश तापड़िया, गौपाल बागडी, शेखर डागा, दीपक बाहेती आदि अनेक युवाओं ने शिरकत की। बैठक का संयोजन सुनील हिरानी एवं नरेश बांगड़ के सान्निध्य में किया गया।

समझ नहीं आता जिंदगी तेरा फैसला, एक तरफ तू कहती है कि सब्र का फल मीठा होता है, और दूसरी तरफ कहती है कि वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।

स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न

विजयनगर। महेश शिक्षा सदन उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजयनगर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या द्वारा ध्वजारोहण किया गया। श्री काल्या ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, उनके बलिदान को हम कभी नहीं भूल सकते। आज का दिन हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। अध्यक्ष-कृष्ण गोपाल नवाल, रामपाल तोषनीवाल, प्रहलाद राय मूंधड़ा, कृष्ण गोपाल बाहेती, गोपाल लाल जागेटिया, अनिल कुमार इनानी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

सुनीता 'काव्य-कुंदन' उपाधि से सम्मानित

भीलवाड़ा। मेघदूत साहित्यिक संस्था द्वारा दिल्ली में आयोजित लेखन प्रतियोगिता 'काव्य- कसौटी' में भीलवाड़ा की सुनीता कोगटा जागेटिया ने पाँच चरण में से तीन चरण में प्रथम स्थान प्राप्त कर 'काव्य-कुंदन' उपाधि प्राप्त की। सुनीता ने बताया कि लगभग एक महीने चलने वाली इस प्रतियोगिता में छंद मुक्त कविता, लघुकथा, संस्मरण, गजल, छंदबद्ध कविता और उसके बाद मंचीय प्रस्तुति द्वारा विभिन्न कसौटी पर प्रतिभागियों को कसते हुए एक विजेता को चुनना था। इसमें पूरे देश से 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुनीता जागेटिया ने दिल्ली में हुए आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार की साक्षी में ये सम्मान ग्रहण किया।

तिरंगा का किया वितरित

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत कागजी देवरा में महिलाओं को तिरंगा वितरित कर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी सदस्याऐं उपस्थित थीं।

पौधरोपण का रिकॉर्ड कायम करने की योजना अव्यावहारिक

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों को रिकॉर्ड कायम करने की दृष्टि से दिए गए 1 करोड़ पौधों के एक ही दिन में रोपण के भारी भरकम लक्ष्य को अव्यावहारिक एवं जल्दबाजी में लिया गया निर्णय पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने बताया। उन्होंने कहा है कि सरकार द्वारा विद्यालयों व सरकारी कार्यालयों में लक्ष्य के अनुरूप पौधे लगाने के लिए खाली परिसर नहीं होने के बावजूद बड़ी संख्या में पौधे लगाने के लक्ष्य दिए गए हैं एवं अत्यधिक छोटी साईज के पौधे उपलब्ध करवाए गए हैं। पौधों की सुरक्षा एवं खाद, मिट्टी हेतु आर्थिक सहयोग भी नहीं दिया गया है। श्री जाजू ने बताया कि बिना तैयारी के बड़ी संख्या में पौधारोपण धरती पर नहीं, कागजों में करने जैसा है।

विमंदित गृह में मनाया रक्षाबंधन

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा रक्षाबंधन का पावन पर्व सूर्योदय विमंदित गृह में बच्चों के साथ मनाया गया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि आश्रम में रहने वाले यह बच्चे ऐसे हैं जो लावारिस हैं या किसी का कोई परिवार नहीं है। परिवार के अभाव में इन बच्चों को कभी भी ऐसा महसूस नहीं हो कि हमारे लिए रक्षाबंधन का त्योहार कोई त्योहार नहीं है इसलिए सोसायटी सदस्यों द्वारा बालकों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व उनके साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी सदस्य अनीशा जैन, मोना शर्मा, आशी अख्तर, वर्तिका हाडा आदि उपस्थित रही।

बालाजी की कथा का आयोजन

निजामाबाद। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन मास में 5 दिन की बालाजी कथा (संपूर्ण वेंकटेश चरित्र) में गोंडिया वेंष्णवाचार्य युगलशरण जी महाराज (भिंगार, अहमदनगर निवासी) ने अपनी सुमधुर और ओजस्वी वाणी में संगीतमय कथा का रसपान कराया। इस कथा का लाभ निजामाबाद के साथ-साथ हैदराबाद, नांदेड, बोधन, आरमुर, भैंसा धर्माबाद के श्रद्धालुओं ने भी लिया। रोज कथा में 750 से 800 लोग शामिल रहते थे। इस कथा का लाइफ प्रसारण यूट्यूब द्वारा भी किया गया। रोज 700 से 800 लोगों की महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

गोपाल माहेश्वरी का हुआ सम्मान

कोयम्बटूर। माहेश्वरी समाज के संयोजन से भारत कला संगम की वार्षिक बैठक का आयोजन माहेश्वरी भवन के प्रागंड़ में किया गया। भारत कला संगम, कोयंबटूर के सभी समाजो का एसोसिएशन है जिसमे कोयंबटूर स्थित विभिन्न प्रदेश के वासियों के समाजों का प्रतिनिधित्व है। सभा में भारत कला संगम कार्यकारिणी के सदस्यो एंव विभिन्न समाजो के प्रतिनिधियो ने माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी को महेश गौरव सम्मान मिलने पर सम्मानित किया। तत्पश्चात माहेश्वरी सभा की ओर से गोपाल माहेश्वरी एंव संतोष मूंदड़ा ने भारत कला संगम कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्यो का सम्मान किया। सभा का संचालन प्रीति भट्टड़ ने करते हुए गोपाल माहेश्वरी का जीवन परिचय दिया। माहेश्वरी सभा के सचिव संतोष मूंदड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया। माहेश्वरी समाज की ओर से गोपाल भुराड़िया, अनिल लटोरिया, गोविंद मण्डोवरा, नीतु मण्डोवरा, मनोज गग्गड़, संगीता गग्गड़ आदि उपस्थित थे।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल भीलवाड़ा द्वारा 31वां मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में आयोजित हुआ। सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा, ओम प्रकाश सोमानी, कैलाश सामरिया, ओम मालू ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के साथ चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में भी शाखाएं सेवारत हैं जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध हैं। इनसे अब तक 1701 संबंध हुए है। सुनील मूंदड़ा ने बताया कि कार्यालय में युवकों के 3850 व युवतियों के 6500 बायोडाटा संजोकर रखे गए हैं।

अहंकार मन को खा जाता है, प्रायश्चित पाप को खा जाता है। लालच धर्म को खा जाता है और चिंता आयु को खा जाती है।

चांडक का किया अभिनंदन

उज्जैन। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष संजीव चांडक अपनी धार्मिक यात्रा पर उज्जैन आये। यहाँ श्री चांडक ने श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय में सौहार्द्र भेंट कर पत्रिका की कार्यप्रणाली देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, मुनि बाहेती आदि ने श्री चांडक का अभिनंदन किया।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई ''महेश अन्न सेवा'' का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के भामाशाह के सहयोग से 22 अगस्त, 2024 को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदार मल भाला, संयोजक शंकरलाल लड्ढा, किशन राठी, रमेश भाला, श्याम सुन्दर भण्डारी सहित समाज के गणमान्य प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सातूड़ी तीज पर्व का आयोजन

जयपुर। माहेश्वरी समाज का ऐतिहासिक पर्व सातूडी तीज 22 अगस्त को हर्षोल्लास से मनाया गया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं द्वारा इस अवसर पर चावल जौ, बेसन, गेंहू के आटे से सवा सवा किलो के मिष्ठान तैयार किये गये और नीमडी की पूजा की गई। अध्यक्ष ओ.पी. माहेश्वरी व महामंत्री मुकेश कुमार महेश्वरी ने समस्त कार्यकारिणी की ओर से सभी माहेश्वरी महिलाओं को सातूडी तीज की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

कजरी तीज का हुआ आयोजन

उज्जैन। माहेश्वरी समाज में कजरी तीज का प्रमुख त्यौहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन समाज की महिलाएं नीम की पूजा करती हैं। वे अपने पति की लंबी आयु और यश की कामना के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। रात्रि में नीम की पूजा के बाद चंद्रमा के दर्शन करती हैं और फिर सत्तू ग्रहण कर उपवास तोड़ती हैं। इस बार आयोजित कजरी तीज कार्यक्रम में शांतादेवी सोडानी, अनिता सोडानी, मंगला चितलांग्या, चंदा चितलांग्या, कविता चितलांग्या, राधिका चितलांग्या और सरिता बाहेती, कविता सोडानी आदि उपस्थित थीं।

श्रावण महोत्सव हुआ आयोजित

भीलवाड़ा। आर.के.आर.सी. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 02 अगस्त को आर.के.आर.सी. महेश भवन में श्रावन महोत्सव, अध्यक्ष चेतना जागेटिया एवं मंत्री मीनू झँवर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रचार मंत्री सुनीता काबरा ने बताया कि कार्यक्रम में मिस लहरिया प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण रहा। महिलाओं को हाउजी, सामूहिक घूमर नृत्य तथा ग्रुप गेम खिलाए गए तथा विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में वंदना नुवाल, इन्द्रा हेड़ा, स्नेहलता तोषणीवाल, चंद्रकांता गगरानी, सुमित्रा दरगड, सुनीता मूँदडा, सुनीता नारानीवाल, मंजुला मंत्री, रंजना बिड़ला, विनीता नुवाल आदि का सहयोग रहा।

चापलूस और आलोचक में केवल इतना अंतर है कि चापलूस अच्छा बनकर बुरा करता है और आलोचक बुरा बनकर अच्छा करता है।

देहदानी व त्वचादानी के परिजनों का सम्मान

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजनीतिक हित के लिए राष्ट्रहित को तिलांजलि देना ठीक नहीं बताते हुए कहा है कि भारतीयता हमारी पहचान है एवं इसमें हमारा अटूट विश्वास है तथा राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है और जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, राजनीतिक हित एवं व्यक्तिगत स्वार्थ को ऊपर रखते हैं, उन्हें समझाने की जरुरत है। श्री धनखड़ रविवार को बिरला सभागार में देहदानियों के परिजनों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त कर बोल रहे थे। इस मौके पर 254 देहदानी व 23 त्वचादानी के परिजनों का सम्मान किया गया। माताजी स्व. श्रीमती चंपा देवी डागा के 23 अक्टूबर 2013 को देहावसान पश्चात एस.एम.एस. अस्पताल मेडिकल कॉलेज को देह दान करने के क्रम में जैन सोशल ग्रुप सेन्ट्रल द्वारा बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में 18 अगस्त 2024 को आयोजित सम्मान समारोह में डागा परिवार को महामहिम उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा सम्मान श्रीमती शारदा डागा ने प्राप्त किया।

जन्माष्टमी पर्व का किया आयोजन

नागपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्रद्धापूर्ण वातावरण में ज्योति महिला मंडल द्वारा हर्षोल्लास से कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मंडल की सखियों ने मिलकर गणेशपेठ स्थित सामाजिक भवन में रास करते हुए जन्माष्टमी मनाई। कार्यक्रम की संयोजिकाएँ दीप्ति सावल, कल्पना मोहता एवं सुषमा लाहोटी द्वारा अनोखी भजन अंताक्षरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत निशी सावल के मधुर भजन द्वारा हुई। मंजूषा सावल ने कृष्ण भजन पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कृष्ण के रूप में श्वेता राठी, स्वाति सावल, सुषमा लाहोटी एवं राधा के रूप में रचना सावल और ज्योति भूतड़ा ने डांडिया रास किया। मंडल की संस्थापिका अध्यक्ष शोभा सुरजन एवं अध्यक्ष अर्चना बिंझानी द्वारा जन्मोत्सव में आयी महिलाओं को बधाई बांटी गई। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था थी। लीना चांडक, पुष्पा टावरी एवं ममता राठी का विशेष सहयोग रहा। सचिव स्वाति सावल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कविता

प्रिय दादाजी

राम भक्त तो कई देखे, पर हनुमान सा भक्त नहीं
हनुमान के भक्तों में भी, आप सा कोई भक्त नहीं
जपते रहते हरदम बाबा, भजते रहते हरपल बाबा
साँसे आती वो भी बाबा, साँसे जाती तो भी बाबा
तन, मन, धन और जीवन सब, बस मेरे बाबा मेरे बाबा
कुछ ऐसे हैं बस ऐसे हैं, ये मेरे दादा प्यारे दादा

सच्चाई की जो हैं मूरत, ऊँचाई की जो हैं सूरत
जज़्बा उनमें है कमाल, हिम्मत की हैं जो मिसाल
कर्तव्यों से चूकते नहीं, मुश्किलों से झुकते नहीं
खड़े रहते बनकर सबकी ढाल,
आसान नहीं है चलना उनके जैसी चाल

समाजसेवी, परिवार प्रेमी, देश भक्ति की है भावना
15 अगस्त को जन्मे, तभी से स्वतंत्र विचार की है धारणा
पद्मश्री से नवाज़ा गया, ऐसे अनगिनत कार्य किये
आदित्य बिरला परिवार बुना, अनेकों स्वावलंबी बने
25 वर्षों का AVBM, ये तो बस आगाज़ है
माहेश्वरी समाज को शीर्ष पे लाना, इनकी बस यही आस है
धोती-पगड़ी और मुस्कान, है जिनकी पहचान
उन दादाजी में बसती है, हम बच्चो की जान
जन्मदिन है उनका, जिन्होंने दिलाई हमे पहचान
आपसे ही है दादाजी, राठी परिवार की आन, बान और शान

■ **स्नेहल राघव राठी**, इटारसी

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

उज्जैन में माहेश्वरी महिलाओं का महाकुंभ मध्यांचल अधिवेशन "अभिप्रेरणा 2024"

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उमंग से भरा दो दिवसीय आयोजन

भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जयिनी में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के मध्यांचल अधिवेशन 'अभिप्रेरणा 2024' के आयोजन से माहेश्वरी शक्ति की प्रतिभा की साक्षी बनी। 450 से अधिक महिलाओं ने उपस्थित होकर तथा मंच पर महिलाओं ने अपने छुपी हुई प्रतिभा को नये आयाम दिये और दिखा दिया 'हम किसी से कम नहीं'। वहीं झालरिया मठ से महाकालेश्वर मंदिर तक निकली भव्य शोभायात्रा ने माहेश्वरी नारी शक्ति की एकता की अद्भूत झलक दिखाई।

■ टीम SMT/पुष्पेन्द्र भार्गव

उज्जैन। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा 'अभिप्रेरणा 2024' मध्यांचल अधिवेशन का भव्य आयोजन उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में 28 अगस्त को महाकाल की पावन धरा उज्जैन झालरिया मठ में किया गया। इस महाकुंभ में पाँचों प्रदेशों से आई सदस्याओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया, जिसमें सभी ने अपने मन की बात पदाधिकारियों के समक्ष रखी।

अधिवेशन का शुभारंभ पारंपरिक ढंग से वेदपाठी विद्यार्थियों के मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ हुआ। इसके बाद, मंच पूजन और प्रादेशिक औद्योगिक मेले के उद्घाटन से समारोह की शुरुआत अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा मंजू बांगड ने की। वरिष्ठ समाजसेवी जयंत गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में समाज में संस्कारों को गहराई तक पहुंचाने के उपायों पर प्रकाश डाला। सम्माननीय अतिथि ज्योति राठी (राष्ट्रीय महामंत्री) ने सुदृढ़ नेतृत्व की कला पर मार्गदर्शन दिया, जबकि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने सामाजिक समस्याओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही मध्यांचल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री ने सफलता के सूत्र साझा किए और उपस्थित सदस्याओं को प्रेरित किया। स्वागत उद्बोधन सीमा मालपानी व उषा सोडानी ने दिया तथा आभार मनीषा राठी व शोभा माहेश्वरी ने माना।

इनकी रही विशिष्ट उपस्थिति

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा (दिल्ली), संयुक्त मंत्री मध्यांचल अनिता जावंधिया, पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, पूर्व अध्यक्ष विमला साबू व पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा उपस्थित थीं। सम्माननीय अतिथि के रूप में कार्यालयीन मंत्री प्रीति तोषनीवाल, राष्ट्रीय सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता मालपानी, विधान समिति संयोजक मंगल मर्दा, सचिव महिला पत्रिका उर्मिला झंवर, उषा करवा, राधा असावा, ममता आगाल, अर्चना सोमानी, सोनिया तोषनीवाल, प्रीति मालपानी, पूजा आगाल उपस्थित थीं। राष्ट्रीय समिति प्रभारी में अष्टसिद्धा समिति से डॉ. नम्रता बियाणी इंदौर, संकल्प सिद्धा समिति से भावना राठी धमतरी तथा पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से अध्यक्ष उषा सोडानी, मंत्री शोभा माहेश्वरी, निवर्तमान अध्यक्ष वीणा सोमानी, संगठन मंत्री प्रमिला भूतड़ा, प्रदेश सभा मंत्री अजय झंवर उपस्थित थे। जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने अध्यक्ष सीमा मालपानी व मंत्री मनीषा राठी के नेतृत्व में संपूर्ण व्यवस्था सम्भाली। अतिथि स्वागत, स्वागत अध्यक्ष मधु भूतड़ा इंदौर तथा स्वागत मंत्री व प्रदेश कोषाध्यक्ष साधना बियाणी के नेतृत्व में किया गया। रमा शारदा इंदौर, अनुपमा बाहेती महू, निर्मला बाहेती इंदौर व अरुणा बाहेती खण्डवा की विशिष्ट उपस्थिति रही। उज्जैन से राजेश सोमानी उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिनेश जी लड्ढा समाजसेवी, दिलीप लोया कार्यकारी मण्डल सदस्य, नवीन बाहेती सचिव उज्जैन जिला सभा, जमुनालाल जी मालपानी समाजसेवी नागदा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं से भरा प्रथम दिवस

अधिवेशन के प्रथम दिन मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा 'अभिप्रेरणा' समाचार पत्र का विमोचन किया गया। इसके सम्पादक मण्डल में ललिताजी मालपानी (प्रभारी) इंदौर, मनीषा राठी उज्जैन (मुख्य संपादक), संगीता भूतड़ा (संपादक) उज्जैन, मनीषा लाठी सोनकच्छ (सह संपादक), रमा साबू इंदौर (सह संपादक) थी। दीप प्रज्वलन और महेश वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ पूरे झालरिया मठ में 'जय महेश' के जयकारे गूंज उठे। नागदा की माहेश्वरी सदस्याओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। प्रतियोगिताओं में **धुन बदलकर देखो** में प्रथम पूर्व मध्यप्रदेश, द्वितीय गुजरात, तृतीय पश्चिमी मध्यप्रदेश, चतुर्थ विदर्भ, पंचम छत्तीसगढ़ प्रदेश रहा। **क्वीज प्रतियोगिता** में प्रथम मंजरी गोदानी-पूर्वी मध्यप्रदेश, द्वितीय मोनिका भट्टड़-पूर्वी मध्यप्रदेश,

तृतीय रेणु ग्वालियर- पूर्वी मध्यप्रदेश, चतुर्थ- प्रीति माहेश्वरी- पश्चिम मध्यप्रदेश, पंचम शिल्पा सारडा-छत्तीसगढ़ रहीं। **आपकी अदालत** में प्रथम छत्तीसगढ़, द्वितीय पूर्वी मध्यप्रदेश, तृतीय पश्चिमी मध्यप्रदेश, चतुर्थ विदर्भ, पंचम गुजरात प्रदेश तथा **झनक समूह नृत्य** में प्रथम छत्तीसगढ़, द्वितीय विदर्भ, तृतीय पश्चिम मध्यप्रदेश, चतुर्थ पूर्वी मध्यप्रदेश रहा। इसी प्रकार **वक्त की आवाज में** प्रथम- वैशाली चाण्डक- विदर्भ, द्वितीय- लक्ष्मी डोडिया पूर्वी मध्यप्रदेश, तृतीय- अंजली लखोटिया छत्तीसगढ़, चतुर्थ मीनू भट्टड़ विदर्भ, पंचम फाल्गुनी बियानी पश्चिमी मध्यप्रदेश रहीं। औद्योगिक महिला मेला का उद्घाटन ज्योति राठी व मुख्य अतिथि सोनिया तोषनीवाल ने किया। प्रतियोगिता वक्त की आवाज की मुख्य अतिथि किरण लड्ढा व वीणा सोमानी तथा विशेष अतिथि ममता आगाल थीं। धुन बदल कर देखो में मुख्य वक्ता गीता मूंदड़ा व मंगल मर्दा, विशेष अतिथि राधा असावा, सवाल हमारे जवाब आपके में मुख्य अतिथि ममता मोदानी, प्रीति तोषनीवाल व विशेष अतिथि अर्चना लाहोटी रहीं।

द्वितीय दिवस को निकली भव्य शोभायात्रा

द्वितीय दिवस का शुभारंभ ध्वजा लहराकर उर्मिला झंवर व उषा करवा ने किया। झालरिया मठ से पीली साड़ी में निकली शोभायात्रा महाकाल मंदिर पहुंची, जहाँ सभी सदस्याओं ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाकाल दर्शन शोभायात्रा की उद्घाटनकर्ता उर्मिला झंवर व उषा करवा थीं। इसके बाद 'आपकी अदालत' प्रतियोगिता में पाँचों प्रदेशों के मुख्य पदाधिकारियों से वर्तमान सामाजिक मुद्दों पर सवाल-जवाब किए गए। मुख्य अतिथि आशा माहेश्वरी व ललिता मालपानी तथा विशेष अतिथि अर्चना सोमानी थीं। 'हमारा स्वास्थ्य हमारी धरोहर' विषय पर विमला साबू (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) के प्रभावी वक्तव्य ने स्वास्थ्य और घर के कार्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। 'स्वदेश की झलक' समूह नृत्य प्रतियोगिता में संकल्प सिद्धा समिति के अंतर्गत शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य वक्ता विमला साबू, निर्मला बाहेती व विशेष अतिथि प्रीति मालपानी थीं। लोकनृत्य में छत्तीसगढ़ प्रथम तथा विदर्भ प्रदेश द्वितीय, तृतीय पश्चिमी मध्यप्रदेश रहा, चतुर्थ पूर्वी मध्यप्रदेश रहे।

नंदोत्सव में भक्तिरस के रंग

नंदोत्सव के आयोजन में भजनों और नृत्य के साथ सभी सदस्याएं भक्ति में लीन हो गईं। नंदोत्सव की मुख्य अतिथि संस्कृति सिद्धा समिति की सह प्रभारी श्यामा तापड़िया, विशेष अतिथि चंद्रभागा तापड़िया देवास व समन्वयक रजनी तोषनीवाल तथा अर्चना भूतड़ा थी। कार्यक्रम का इसमें भावना माहेश्वरी (वासुदेव), ऋतु तापड़िया (नंदबाबा), एकता झंवर (श्रीकृष्ण) तथा दीपिका राठी (राधा) तथा चंद्रप्रभा तापड़िया यशोदा मैया की भूमिका में थी। गोपियों के रुप में विनिता बियानी, उमा खडलोया, स्मिता अटल व तृप्ती साबू शामिल थी। कार्यक्रम संयोजक अर्चना भूतड़ा, समन्वयक रजनी तोषनीवाल तथा सहयोगी राखी काबरा और अलका माहेश्वरी थी। इसमें रमा शारदा इंदौर, अनुपमा बाहेती महू, निर्मला बाहेती इंदौर व अरुणा बाहेती खण्डवा की विशिष्ट उपस्थिति रही।

कार्यकर्ता सम्मान के साथ समापन

समापन समारोह के साथ ही मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं के सम्मान व पुरस्कार वितरण के साथ अधिवेशन 'अभिप्रेरणा 2024' का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह की मुख्य अतिथि मंजू बांगड़, सुशीला काबरा व अरुणा बाहेती तथा विशेष अतिथि पूजा आगाल थी। मध्यांचल अधिवेशन कार्यक्रम की समीक्षा सुशील काबरा द्वारा प्रस्तुत की गई। अंत में माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मीडिया संयोजक एकता झंवर ने कार्यक्रम की जानकारी दी। विशिष्ट सहयोगी के रूप में निर्मला अनिरुद्ध माधव मारु- मनासा, किरण माहेश्वरी महू, चंद्रभागा तापड़िया देवास, राजू तोतला इंदौर, विमल लालावत इंदौर, कल्याणमल शान्ता मंत्री- इंदौर, पुष्पा लाठी-बड़नगर, बसंत भट्टड़- इंदौर, कमल राठी- इंदौर, कविता भूतड़ा- इंदौर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस आयोजन में जिला संगङ्गन द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया, जिन्होंने समर्पित भाव से अपना दायित्व सम्भाला। संचालन श्वेता बजाज, प्रमिला भूतड़ा, माधुरी सोमानी, किरण लड्डा, मनीषा राठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की समीक्षा श्रीमती सुशीला काबरा ने की।

ये बनीं कार्यक्रम की सफलता की सूत्रधार

इस आयोजन के लिये विभिन्न समितियों का गठन किया गया था, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई।

मीडिया प्रचार प्रसार समिति : डॉ.नम्रता बियाणी (प्रभारी) इंदौर, फाल्गुनी बियानी (संयोजक) उज्जैन, अर्चना के माहेश्वरी इंदौर (संयोजक), श्वेता बजाज (संयोजक), तथा एकता झंवर उज्जैन, अर्थ संग्रह समिति में अरुणा बाहेती (प्रभारी) खंडवा, पुष्पा मौलासरिया इंदौर (संयोजक), रचना झंवर देवास (संयोजक), किरण डोडिया तराना, स्मिता अटल उज्जैन, यातायात समिति में हेमा मोहता नागदा (प्रभारी), आरती सोड़ाणी उज्जैन (संयोजक), उषा भट्टड़ उज्जैन, सीमा पलोड़ उज्जैन तथा निर्मला नागोरी उज्जैन शामिल थीं।

पंडाल समिति : अनुपमा बाहेती (प्रभारी) महू, कांता सोड़ानी महू (संयोजक), भावना सोमानी मंदसौर, सुलेखा लद्दड़ सागोर, अयोध्या चौधरी अलिराजपुर, ज्योति पलोड़ तराना, सुनीता पलोड़ तराना, सीमा मूंदडा उज्जैन, नीलू अजमेरा इंदौर, चंद्रा मूंदड़ा इंदौर, रमीला राठी महू, अनिता कोठारी अलिराजपुर, ललिता सोमानी रतलाम, अनुराधा आगाल उज्जैन, हंसा बाहेती उज्जैन।

भोजन व्यवस्था समिति : निर्मला बाहेती इंदौर–प्रभारी, भोजन निर्माण-शांता मंडोवरा उज्जैन (संयोजक), मंगला परवाल देवास, कमला सातल उज्जैन, हेमलता गांधी उज्जैन, कौशल्या अटल उज्जैन, भोजन वितरण-मन्जू भलिका इंदौर (संयोजक), माया डाँगरा शाजापुर, दमयंती मनियार इंदौर, सीमा माहेश्वरी इंदौर, नीलम काबरा इंदौर, अलका राठी खाचरौद, अतिथि भोजन व्यवस्था-शोभा भूतड़ा (संयोजक), मंगला मूंदड़ा इंदौर, दीपा राठी महिदपुर, किरण माहेश्वरी झाबुआ, संध्या हेड़ा उज्जैन, टिफिन व्यवस्था-सुलेखा मालपानी (संयोजक), अनु मूँदडा इंदौर, शकुंतला झँवर बाग, रेखा पसारी इंदौर, अनीता राठी महिदपुर, ज्योति मुच्छाल इंदौर।

आवास समिति : वीणा सोमानी (प्रभारी) इंदौर, किरण लखोटिया (संयोजक) इंदौर, मंगला बांगड़ उज्जैन (संयोजक), रत्ना जाखेटिया बेटमा, भारती कोठारी उज्जैन, कुसुम गिलड़ा इंदौर, अदिति साबू उज्जैन, सुमन बियानी बेटमा, तृप्ति साबू उज्जैन।

मंच व्यवस्था : प्रमिला भूतड़ा (प्रभारी) इंदौर, अपर्णा झवर (संयोजक) सेंधवा, डिंपल माहेश्वरी इंदौर, प्रीति भांगड़िया बेटमा, विनिता बियानी उज्जैन, विधी राठी उज्जैन, संगीता जाजू तराना, प्रीति माहेश्वरी टांडा, ज्योति मोहता नागदा, अंजू मूँदडा इंदौर

मंच सज्जा : अनीता मंत्री बुरहानपुर (प्रभारी), सरला मानधन्या इंदौर (संयोजक), रितु तापड़िया (संयोजक) लौहारदा, अनीता मंत्री देवास, जय श्री सिंगी कांटाफोड़, चेतना माहेश्वरी देवास, मंगला चितलांग्या उज्जैन, कुसुम मंत्री तराना, सुनीता जावंदिया उज्जैन।

सांस्कृतिक समिति : रमा शारदा (प्रभारी) इंदौर, माधुरी सोमानी इंदौर (संयोजक)।

अतिथि स्वागत : सुषमा लाहोटी इंदौर (प्रभारी), वंदना मेहरा सुखेड़ा (संयोजक), अर्चना परवाल सनावद, निशा पलोड़ मंदसौर, शिल्पा सोमानी हरसूद, एकता झंवर उज्जैन।

स्टॉल समिति : उर्मिला झंवर (प्रभारी) इंदौर, सुमन सारड़ा (संयोजक) इंदौर, मीनाक्षी नवाल इंदौर, शीतल मूंदड़ा उज्जैन, सीमा परवाल उज्जैन, सीमा राठी नागदा, ज्योति झंवर इंदौर, पूनम बल्दवा बाग।

स्वास्थ्य समिति : प्रीति काबरा इन्दौर, माया झंवर बुरहानपुर, अनीता समदानी नीमच, मोनिका तोष्णीवाल खाचरौद।

महाकाल दर्शन समिति : बीना माहेश्वरी आगर शाजापुर, रितु समदानी उज्जैन, स्नेहलता मूंदड़ा मनासा।

पूछताछ केंद्र : शालिनी भट्टड़ राजगढ़, नमिता तोष्णीवाल खाचरौद, माधुरी राठी उज्जैन, संगीता सोमानी उज्जैन।

प्रॉप्स व्यवस्था एवं मेकअप : कविता चितंलाग्या उज्जैन (संयोजक), सीमा क़ासट उज्जैन

किन्होने क्या कहा ....

हर परिवार तक पहुँचे संगठन

जिस प्रकार देश का विकास सरकार पर निर्भर करता है, ठीक वैसे ही समाज का विकास समाज संगठन पर निर्भर करता है। अतः संगठन समाज के हर वर्ग तक पहुँचे, तभी उद्देश्य की पूर्णता होगी।

जयंत सीए गुप्ता

जीवन में भी उतारें अभिप्रेरणा

बहुत सुन्दर कार्यक्रम लेकिन इन्हें अपने जीवन में भी अंगीकार करना है। इसी से इस कार्यक्रम ''अभिप्रेरणा'' के उद्देश्य की पूर्ति होगी।

वीणा सोमानी

उद्देश्य पर केंद्रीत सभी कार्यक्रम

सभी का इस ''अभिप्रेरणा'' कार्यक्रम में अभिनंदन। सभी कार्यक्रम अपने उद्देश्य पर सफल सिद्ध होंगे, यही अपेक्षा है।

साधना बियानी

कर्म करना हमारी आदत हो

कर्म करना हमारी आदत में हो, तभी उन्नति के मार्ग खुलते हैं। यह आयोजन ''अभिप्रेरणा'' का उद्देश्य ही सभी को अभिप्रेरणा प्रदान करना है। विश्वास है, सम्मानीय अतिथिगण के सारगर्भित उद्बोधन का सभी सदस्याऐं लाभ लेंगी।

उषा सोडानी

नीचे तक पहुँचे योजनाऐं

संगठन में नेतृत्व की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी संगठन व उसकी योजनाओं को समाज के निचले स्तर तक न सिर्फ पहुँचाना है, बल्कि उसकी प्रतिक्रिया प्राप्त करना भी है।

ज्योति राठी

जीवन को बेहतर बनाऐगा ''अभिप्रेरणा''

अपने नाम के अनुरूप ही यह आयोजन वास्तव में ''अभिप्रेरणा'' देने वाला है। आशा है कि इससे प्रेरणा लेकर हम सभी अपने जीवन को बेहतर से बेहतर बनाऐंगे।

मधु भूतड़ा

जहाँ विश्वास वहाँ प्रभू का वास

जहाँ विश्वास होता है वहीं प्रभू का वास होता है। यहाँ ''अभिप्रेरणा'' का जो अनावरण किया गया। उसमें भी सदस्याओं की प्रतिभा नजर आयी। यह आयोजन नई प्रेरणा व ऊर्जा दे रहा है।

मंजू बांगड़

अंचल के सभी प्रदेश पूर्ण सक्रिय

मध्यांचल के सभी प्रदेश की सभी अध्यक्ष व सचिव अपने पूरे समर्पित भाव से काम कर रही हैं। यही मध्यांचल की सफलता का कारण है। इसी ने इस अंचल को कई पुरस्कार प्रदान करवाये हैं।

उर्मिला कलंत्री

प्रतिभा को मिला मंच

व्यवस्थाऐं बहुत ही सुन्दर-सुव्यवस्थित रहीं। इसके लिये आयोजकों को बधाई। ऐसे अधिवेशन राष्ट्रीय संगठन की आवाज को जन-जन तक तो पहुँचाते ही हैं, साथ ही ये समाज की छुपी प्रतिभा को भी मंच प्रदान करते हैं।

आशा माहेश्वरी

बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन की स्थिति में सम्पूर्ण पृथ्वी ही खतरे में आती जा रही है। बढ़ती प्राकृतिक विपदाएं स्वयं इसका प्रमाण है। पृथ्वी को इन्हीं स्थितियों से बचाने का अलख जगा रहे है। जलगाँव निवासी विजय काबरा।

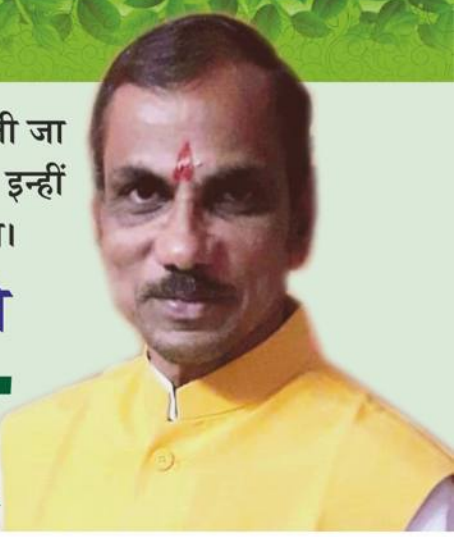

''पृथ्वी बचाओ'' की आलख जगाते

विजय काबरा

जलगांव (महाराष्ट्र) के ख्यात समाजसेवी और अधिवक्ता एड. विजय सूरजमल काबरा ने जलगांव शहर और पूरे महाराष्ट्र राज्य में 'पृथ्वी बचाव संस्था' नामक पंजीकृत एनजीओ की स्थापना की है। इसका पंजीकरण महाराष्ट्र सरकार के विभाग द्वारा 10/2/1994 को किया गया है और इसका पंजीयन नंबर महा 2675/जलगांव/महाराष्ट्र है। विजय काबरा इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हैं। वर्तमान में इस संस्था के लगभग दस हजार सदस्य हैं, जिनमें बड़ी संख्या में रिक्शा चालक भी शामिल हैं। श्री काबरा 1994 से पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

जनजागरण के सतत् प्रयास

उन्होंने महाराष्ट्र के विभिन्न ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन जैसे जलगांव, नाशिक, सोलापुर, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजी नगर) आदि पर पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन जागरूकता के लिए संबोधित किया है। इसके साथ ही पाल तहसील, रावेर, जिला जलगांव में हरिण पैदावार केंद्र की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं। साग, खैर, और शीशम के पेड़ों की तस्करी को रोकने के लिए भी उन्होंने काम किया है और सफल रहे हैं। उन्होंने अवैध तरीके से मोर और अन्य वन्य जीवों की तस्करी को रोकने में भी सफलता प्राप्त की है।

सरकार से अनुदान नही

'पृथ्वी बचाव' संस्था ने अब तक सरकार से कोई अनुदान नहीं लिया है और यह पूरी तरह से जनता के सहयोग पर निर्भर है। यह संस्था स्कूली बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यवसायियों, उच्च शिक्षा प्राप्त वकीलों, डॉक्टरों, न्यायाधीशों, सरकारी अधिकारियों और समाज के सभी वर्गों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है। इसके अंतर्गत पेड़ लगाने, पेड़ों की रक्षा और वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। एडवोकेट विजय एस काबरा को महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री रमेशजी बैस, वनमंत्री सुधीरभाऊ मुनगंटीवार, पद्मश्री डॉ. विजयकुमार शाह, जिलाधिकारी आदि द्वारा सम्मानित भी किया गया।

शास्त्रों की मान्यता है कि श्राद्ध पक्ष वह पितृ पर्व है, जब पितृ अर्थात् हमारे दिवंगत परिजन पृथ्वी पर आकर श्राद्ध के निमित्त अर्पित सामग्री ग्रहण करते हैं। इससे वे जब तृप्त होते हैं, तो श्राद्ध कर्ता को आशीर्वाद देते हुए पुनः अपने स्थान को गमन कर जाते हैं।

पितृ आशीर्वाद का महापर्व

श्राद्ध पक्ष

श्राद्ध शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। श्रद्धा+अर्घ्य अर्थात् श्रद्धा के साथ पितरों को जो अर्पण किया जाता है, वहीं श्राद्ध है। पितृ इससे प्रसन्न होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं और इससे परिवार में सभी सुखों की वृद्धि होती है, ऐसा पुराणों में उल्लेख किया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक का 16 दिवसीय पक्ष श्राद्ध कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस पक्ष में एक प्रकार से पितरों का मेला लगता है। ये पृथ्वी लोक में निवास कर रहे अपने सगे संबंधियों के यहाँ जाते हैं और उनके द्वारा प्रदान किए गए कव्य से तृप्त होकर वर्षभर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अतृप्ति की स्थिति में रुष्ट होकर ये शाप देते हैं जिससे परिवार कई प्रकार के दुःखों का भाजन बनता है।

श्राद्ध का भाग्य से रिश्ता

ज्योतिष में लग्न कुंडली के नवम भाव को भाग्य भाव कहा जाता है। यह भाव गुरु, माता व पिता की सेवा व उनके आशीर्वाद से ही पुष्ट होता है। यदि माता, पिता, गुरु व अन्य परिजन जीवित हैं तब तो उनकी सेवाकर आशीर्वाद प्राप्त किए जा सकते हैं और यदि वे दिवंगत हैं तो फिर उनके आशीर्वाद प्राप्ति का श्राद्ध के सिवा और कोई रास्ता नहीं होता। अतः ज्योतिष के अनुसार भी भाग्य भाव को पुष्ट करने में श्राद्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

किनका श्राद्ध आवश्यक

वैसे तो हर व्यक्ति अपने पिता पक्ष की 7 पीढ़ी और माता पक्ष की चार पीढ़ी का ऋणी होता है अतः इनका श्राद्ध आवश्यक है। फिर भी यथाशक्ति अपने पूर्वजों का श्राद्ध किया जा सकता है। इसके साथ ही अपनी पत्नी, मित्र, जमाता, शिष्य, पुत्र व अन्य प्रियजनों का श्राद्ध करने का भी विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो ऐसे सभी अपने दिवंगतजनों का श्राद्ध अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए जिनसे हमें स्नेह व प्रेम की प्राप्ति हुई हो, क्योंकि उनकी आत्मा इसकी अपेक्षा करती है।

कहाँ करें श्राद्ध

शास्त्रों में किसी भी तीर्थ स्थान पर किसी भी पवित्र नदी के तट पर पिंडदान आदि विधानों के पश्चात गाय के गोबर से बने कंडे को प्रज्वलित कर उस पर धूप देने का नियम है। समयाभाव की स्थिति में अपने निवास पर भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। प्रथम श्राद्ध मृत्यु तिथि के पश्चात तीसरे वर्ष में पिंडदान के साथ सिर्फ पूर्णिमा को ही किया जाना अनिवार्य है चाहे दिवंगत की मृत्यु तिथि कुछ भी क्यों न रही हो। इसके पश्चात प्रतिवर्ष सामान्य मृत्यु की स्थिति में मृत्यु तिथि को ही श्राद्ध किया जाता है।

इनका रखें ध्यान

श्राद्ध के पूर्ण लाभ के लिए सही विधि भी अपनाना आवश्यक है। सर्वप्रथम अपने पूर्वज को आमंत्रित करें। इसके पश्चात श्राद्ध स्थल पर काले तिल बिखेर कर दक्षिण दिशा में उन पूर्वज का स्मरण करते हुए धूप दें। तत्पश्चात् ब्राह्मण भोजन करवाएँ। पितृ श्राद्ध के लिए आमंत्रित किए जाने वाले ब्राह्मणों की संख्या विषम होनी चाहिए। ब्राह्मण यथा संभव शुद्ध सात्विक प्रकृति के व वेदपाठी हों यह प्रयास करें। दिवंगत पितृ से दुर्भावना रखने वाले ब्राह्मणों को आमंत्रित न किया जाए। भोजन करवाते समय आमंत्रित ब्राह्मणों को दक्षिण दिशा में उत्तराभिमुख बैठाकर भोजन करवाएँ। इसके पश्चात यथा शक्ति वस्त्र, अलंकरण आदि दक्षिणा प्रदान करें। यह सभी पितृ के निमित्त ही होगा। धूप देने के तत्काल बाद गौ, कुत्ते व कौवे को ग्रास देना आवश्यक है।

क्या आप एक व्यस्त जीवन जीते हैं और फिर भी स्वस्थ रहना चाहते हैं? चिंता न करें, आपको इसके लिये जिम जाने या घंटों व्यायाम करने की जरूरत नहीं है। दिन में केवल 25 मिनट निकालकर भी आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

हेल्थी लाइफस्टाइल के लिए निकालें बस 25 मिनट

अखिल अशोककुमार बाहेती
इचलकरंजी, महाराष्ट्र
(टाइम मैनेजमेंट कोच)

यह करें इस समय में

■ **जॉगिंग या तेज़ चलना:** सुबह या शाम को 25 मिनट के लिए जॉगिंग या तेज़ चलना आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। यह वजन कम करने और तनाव कम करने में भी मदद करता है।

■ **योग या प्राणायाम:** योग और प्राणायाम न केवल आपके शरीर को बल्कि आपके मन को भी शांत करते हैं। 25 मिनट का योग सत्र आपको ऊर्जावान बनाएगा और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएगा।

■ **वजन प्रशिक्षण:** 25 मिनट में आप कुछ सरल वजन प्रशिक्षण अभ्यास कर सकते हैं। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने और हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

■ **नृत्य और कोई हॉबी :** नृत्य एक मजेदार और प्रभावी तरीका है, व्यायाम करने का। 25 मिनट का नृत्य या ऐसी ही कोई और हॉबी का सेशन आपको तनाव से मुक्त करेगा और आपके मूड को बेहतर बनाएगा।

■ **साइकिल चलाना:** अगर आपके पास साइकिल है तो 25 मिनट के लिए साइकिल चलाना एक अच्छा विकल्प है। यह आपके कार्डियो स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और वजन कम करने में मदद करता है।

समय बचाने का तरीका

अब रोजाना यह सब करेंगे तो आपको बहुत अधिक समय इसके लिए देना होगा, इनमे से कोई भी 2 या 3 आदतों को सिलेक्ट करें और अलग-अलग दिनों मे इसे करके, स्वयं को बोर होने से भी बचाऐं। हफ्ते मे एक चीट डे भी ले सकते है, जहां आपको थोड़ी चीटिंग करना मान्य है। उस दिन इन 25 मिनटों का उपयोग अन्य गतिविधियों के लिए भी कर सकते हैं, जैसेः ताज़ी हवा में टहलना, किताब पढ़ना, ध्यान करना। याद रखें, छोटे-छोटे बदलाव बड़े परिणाम ला सकते हैं। 25 मिनट रोजाना निकालकर आप एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

इनके साथ करें ये प्रयास

■ **पानी पीएं:** दिन भर में पर्याप्त पानी पीएं।

■ **स्वस्थ भोजन करें:** फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से भरपूर आहार लें।

■ **पूरी नींद लें:** रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें।

■ **स्ट्रेस मैनेजमेंट करें:** योग, ध्यान या अन्य तकनीकों का उपयोग करके स्ट्रेस को कम करें।

एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाना इतना मुश्किल नहीं है जितना आप सोचते हैं। बस 25 मिनट रोजाना निकालकर आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं। तो आज ही शुरू करें और एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीएं।

वास्तव में देखा जाऐ तो जितना भोजन-पानी जीवन के लिये जरूरी है, उतनी ही जरूरी नींद भी होती है। उसमें भी यदि नींद में बांयी करवट लेते हों तो आप कई बीमारियों को कर सकते हैं, छू मंतर।

स्वस्थ जीवन की नींद लें

बांयीं करवट

आयुर्वेद में शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए बायीं ओर करवट लेकर सोने के बारे में बताया गया है। आज के वैज्ञानिकों ने भी शोध के आधार पर इसे स्वीकारा है। शोध के अनुसार बायीं ओर करवट बदलकर सोने से पेट फूलने की समस्या, दिल के रोग, पेट की खराबी और थकान जैसी समस्याएं दूर होती हैं। यदि आप बायीं की जगह दायीं तरफ करवट लेकर सोते हैं तो इससे शरीर से टाक्सिन सही तरह से निकल नहीं पाते हैं और दिल पर जोर ज्यादा पड़ता है साथ ही पेट की बीमारी भी लगने लगती हैं। कई बार तो हार्ट रेट भी बढ़ सकता है। सीधे लेटे रहने से भी इंसान को ठीक तरह से सांस लेने में परेशानी होती है। ज्यादातर वे लोग जिन्हें दमा या अस्थमा की दिक्कत हो, उनको रात में सीधा नहीं लेटना चाहिए। इसलिए बांयीं ओर करवट लेकर सोने की आदत डालनी चाहिए।

किडनियां और लीवर को राहत

बायीं ओर करवट बदलकर सोने से लीवर और किडनियां ठीक तरह से काम करती हैं। शरीर से गंदगी को साफ करने में लीवर और किडनी बेहद अहम भूमिका निभाती हैं इसलिए इन पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहिए।

पाचन में सुधार

शरीर तभी ठीक रहता है जब आपका पाचन तंत्र ठीक हो। ऐसे में बायीं तरफ करवट लेने से आपके पाचन तंत्र को फायदा मिलता है। खाया हुआ खाना भी आसानी से पेट तक पहुंचता है, जो ठीक से हजम भी हो जाता है। इसके अलावा एक ओर फायदा यह है कि बदहजमी की दिक्कत भी दूर हो जाती है।

खतरनाक बीमारियों से बचाव

बायीं ओर करवट लेने से शरीर में जमा हुआ टाक्सिन धीरे-धीरे निकलने लगता है और इस वजह से शरीर को लगने वाली खतरनाक बीमारियां नहीं होती हैं।

दिल की परेशानी में

बाएं ओर करवट बदलकर सोने से दिल से संबंधित परेशानियां दूर होती हैं क्योंकि इस अवस्था में सोने से दिल तक खून की पूर्ति बेहद अच्छे तरह से होती है जिसकी वजह से आक्सीजन और खून की सप्लाई आराम से दिमाग और शरीर तक पहुंचती है जो इंसान को दिल की बीमारी यानि कि हार्ट अटैक जैसे गंभीर रोग से बचा सकती है।

एसिडिटी में फायदा

सीने में जलन और एसिडिटी की समस्या को दूर करता है बायीं ओर करवट लेकर सोना। क्योंकि इस तरीके से पेट में मौजूद एसिड ऊपर की जगह से नीचे आने लगता है, जिस वजह से सीने की जलन और एसिडिटी की परेशानी में फायदा मिलता है।

पेट को आराम

बांयीं ओर सोने से पेट को आराम मिलता है। क्योंकि इस पोजिशन में सोने से भोजन छोटी आंत से बड़ी आंत तक आसानी से पहुंच जाता है, जिस वजह से सुबह आपका पेट खुलकर साफ होता है।

इनसे रहें सतर्क

गलत तरीकों से सोना कई बीमारियों जैसे सिर दर्द, पीठदर्द, माइग्रेन, थकान व दर्द को न्योता देता है। अच्छी स्लीपिंग पोजीशन इंसान को स्मार्ट और सेहतमन्द बनाती है इसलिए अपने सोने के तरीके को बदलें और हमेशा स्वस्थ रहें।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज़

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध Rs. 125/- Rs. 100/-

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

94250 91161, 91799-28991

rishimuniprakashan@gmail.com

*महिला संगठनों के लिए विशेष छूट के साथ उपलब्ध

amazon पर उपलब्ध

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

अहसास खुशियों का

खुशी- प्राण वायु सी जरूरी है, जीवन जीने के लिये खुशियों का अहसास। नाखुश, नाउम्मीद आदमी जिंदगी होते हुए भी जी नहीं पाता है। खुशियों को जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाने के लिये ही हमारी संस्कृति और परंपरा ने हमारी कृषिप्रधान संस्कृति और उसकी फुर्सत के अनुरूप खाली समय को रिश्तों में मधुरता, मिठास और अपनापन बढ़ाकर जीवन को आनंदित बनाने का सहज अवसर प्रदान किया है। सावन मास को प्रकृति अपनी हरियाली, हवा और पानी से उद्दीपक बना देती है। हर दिन के त्योहार जीवन में नई उमंग, नया जोश, नया उल्लास पैदा कर देते हैं। सावन में मंदिर भी उत्सव स्थली बन जाते हैं।

चौमासा आगमन से ही व्यौहारों की झड़ी लग जाती है। श्रावण सोमवार, नागपंचमी, हरियाकी तीज, राखी, सिंजारे, कजली तीज, उप छठ, जन्माष्टमी बचबारस, हरितालिका, गणेश चतुर्थी, गौरी पूजन, जलझलनी एकादशी, श्राद्धपक्ष, नवरात्रि, दशहरा, करवाचौथ, दीवाली, पडवा, यमद्वितिया, तुलसी विवाह उत्सवों की एक लंबी परंपरा । हर रिश्ते की अपनी अलग उपादेयता! ये सब था जिंदगी की राह से उबाऊपन को हराकर खुशियां बटोरने का एक सहज कारगर उपाय। एकल परिवार प्रथा, समय की कमी, कार्य की व्यस्तता, पैसों का अपव्यय के नाम पर हम कुछ अनदेखी करने लगे हैं। युवा वर्ग समझने लगा है ये पुरानी बाते हैं नये वक्त और बदलती परिस्थित में ये संभव भी नहीं, जरूरी भी नहीं। निश्चित तौर पर परिस्थितियां बदल गई हैं परंतु जीवन की आस और रिश्तों की दरकार आज भी जरूरी है, बल्कि ज्यादा जरूरी है क्योंकि एकाकीपन का अहसास, कार्य का भार, असुरक्षा की भावना, जीवन की जटिलताएं ज्यादा परेशान करने लगी हैं। अपनों और अपनेपन की कमी की कसक न होती तो सोशल मीडिया पर दोस्त न बनाती ये पीढ़ी। छोटी बड़ी हर घटना को फेसबुक पर शेयर न करती और प्रशंसा और ध्यान आकर्षण के लिय ऊटपटांग रील न बनाने बैठती।

ये रिश्ते, ये अपनापन, ये अपने, हर एक की अपनी-अपनी जरूरत है और ये त्यौहार इस जरूरत का सहज, सरल संयोग है। इन्हें पुनः अपनी जीवन शैली बनाएं। इनमें भावनाओं का प्राण फूंके। मेसेज फारवर्ड कर एक काम मत निपटायें। उस निर्जीवता में जान डालने की कोशिश करें।

बदलने वक्त ने कुछ चीजें कठिन और नामुमकिन सी कर दी हैं किंतु कुछ बड़ी आसान और सुलभ भी बना दी हैं। उनका साथ लें और अपने रिश्तों में, इन त्योहारों के माध्यम से जीवन सुलभ भावनाओं को खाद पानी देते रहें।

व्हाट्सऐप ग्रुप बनायें और उसके माध्यम से अपने सुख-दुख, अपनी छोटी छोटी बातें इस तरह शेयर करें जैसे यदि आप साथ रहते होते तो करते। जैसे क्या बनाया, क्या खाया, कैसे सजाया कहां गये, कौन आया आदि आदि।

इन ग्रुपों में फारवर्ड मेसेज पर पाबंदी हो, तो हर व्यक्ति अपने मनोभाव, अपने शब्दों में प्रगट करें या अपनी खिंची तस्वीरें शेयर करें। घर के वृद्ध व्यक्तियों को भी इन सब से जोड़ें जिससे उनके भूत प्राय जीवन में सांस के साथ साथ आस भी जगती रहे।

त्योहारों में सादगी और अपनेपन का अहसास ज्यादा जगाएं। भौतिकता, लेनदेन, पैसा ऐसा हावी ना करें कि किसी को आर्थिक बोझ ना लगने लगे। दूसरे शहरों में भी आप अब तो बहन, भाइयों, भतीजों, भतीजियों, भांजे-भांजियों, नाती-पोतों, मामा, चाचा, मौसी-मासा के लिये नाश्ता अरेंज करा सकते हैं। आपका एक प्लेट पोहा और दो जलेबी भी मिठास के लिये बहुत काफी होगी। पारिवारिक स्नेह मिलन करें जिसमें खर्च का बंटवारा हो, गिफ्ट का कोई प्रयोजन न हो। हिल मिल कर एक दो रात रहना और सुख दुख, हंसी-मजाक में समय बीते।

पहले परिवार में मुखिया होते थे, जो ऐसे कार्यभार की जबाबदारी लेते थे। अब अपने आप अपनी क्षमता को परखते हुए अपने आप मुखिया बनें। पहल कर प्रयास करें। कमी-वेसी, रूसा-रूसी तो तब भी होती थी, अब भी होगी। इसे भुला डालें। याद रखें ये प्राणवायु जीवन को आगे बढ़ायेगी। तो बस तैयार हो जाइये, नये अंदाज में ऋषिपंचमी,जन्माष्टमी से लेकर पूरा चौमासा मनाने को।

पर्व/त्योहार

'हरियाली' शब्द में ही खुशहाली छुपी हुई है। यह व्रत भी खुशियों से भरे अर्थात् हरे-भरे परिवार का प्रदाता है, जिसे कुंवारी व विवाहित महिलाऐं अखंड सौभाग्य की कामना से करती हैं। विधवा स्त्री भी अपनी संतान की खुशहाली की कामना से इसे कर सकती हैं।

अखण्ड सौभाग्य का कामना पर्व

हरतालिका तीज

भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र होता है, इसी दिन हरतालिका व्रत किया जाता है। इस दिन गौरी-शंकर का पूजन किया जाता है। इस व्रत को कुमारी तथा सौभाग्यवती स्त्रियाँ ही करती हैं, लेकिन शास्त्र में इसके लिए सधवा-विधवा सबको आज्ञा है। इसे 'बूढ़ी तीज' भी कहते हैं। इस दिन सासें बहुओं को सुहाग का सिंधरा देती हैं। बहुएँ पाँव छूकर सास को रुपए देती हैं। इस व्रत को 'हरतालिका' इसलिए कहते हैं कि पार्वती की सखी उन्हें पिता-प्रदेश से हरकर घनघोर जंगल में ले गई थी। 'हरत' अर्थात् हरण करना और 'आलिका' अर्थात् सखी, सहेली। इस व्रत को करने के परिणाम-स्वरूप ही उन्हें अपने मनोवांछित वर 'शिव' की प्राप्ति हुई थी।

व्रत कैसे करें-

- सर्वप्रथम 'उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये' मंत्र का संकल्प करके मकान को मंडल आदि से सुशोभित कर पूजा सामग्री एकत्र करें।
- संध्या समय स्नान करके शुद्ध व उज्जवल वस्त्र धारण करें।
- पश्चात् पार्वती तथा शिव की सुवर्णयुक्त (यदि यह संभव न हो तो मिट्टी की या बालू की प्रतिमा बनाकर विधिविधान् से पूजा करें।
- इसके बाद सुहाग की पिटारी में सुहाग की सारी वस्तुएं सजाकर रखें।
- फिर इन वस्तुओं को पार्वतीजी को चढ़ाएं।
- शिवजी को धोती तथा अंगोछा चढ़ाएं।
- पश्चात् सुहाग सामग्री किसी ब्राह्मणी को तथा धोती-अंगोछा ब्राह्मण को दे दें।
- तत्पश्चात् तेरह प्रकार के मीठे व्यजंन सजाकर रुपयों सहित सास को देकर उनका चरण स्पर्श करें।
- इस प्रकार पार्वती तथा शिव का पूजन-आराधना कर कथा सुनें।

व्रत का समापन

इस व्रत के अन्तर्गत चार पूजन होती है। इस दिन व्रतधारी स्त्री ब्रह्मचर्य का पालन करती हुईं रात्रि में जागरण करती हैं एवं सुबह ब्रह्ममुहूर्त में बालू के शिवलिंग की अंतिम पूजन के पश्चात् नदी में प्रवाहित कर देती है।

योग-मुद्रा

उषास मुद्रा एक बुनियादी योग मुद्रा है। यह शरीर को ऊर्जा देने और रचनात्मकता को जगाने के लिए बनाई गई है। कई लोगों को नींद पूरी होने के बावजूद आलस्य बना रहता है और बिस्तर छोड़ने की इच्छा नहीं होती। ऊषास मुद्रा इसे दूर करती है। इसके अभ्यास से व्यक्ति ऊर्जावान, आनंदित और तरोताजा महसूस करता है। प्रातः उठते ही इस मुद्रा का अभ्यास करें, तो पूरा दिन अच्छा निकलेगा। ऊर्जा को नई दिशा मिलेगी।

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

चुस्ती-फुर्ती के लिए करें उषास

कैसे करें : अपने दोनों हाथों की हथेलियों को आपस में फंसा लें। हथेलियों की दिशा ऊपर की ओर रखें और दाएं हाथ का अंगूठा बाएं हाथ के अंगूठे के ऊपर रख कर हल्का सा दबाएं। महिलाएं इस मुद्रा को बनाते समय अपने दाएं हाथ के अंगूठे को बाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच रखें और हल्का सा दबाएं।

क्या हैं लाभः

- जिन व्यक्तियों को प्रातः उठने में आलस्य आता है, वे प्रातःकाल जब भी नींद टूटे तो इस मुद्रा को बनाकर हाथ सिर के नीचे रखते हुए 5 से 6 बार गहरी, लम्बी सांसे लें, आंखें खोलें और मुख को खोलें। सांस बाहर निकालते हुए ऐसा महसूस करें कि सारा तनाव समाप्त हो गया है। इसके बाद लेटे-लेटे ही ताड़ासन करें। पैरों को आगे की ओर और हाथों को सिर के पीछे ले जाकर तानें। आप आसानी से बिस्तर छोड़ पाएंगे और तरोताजा महसूस करेंगे।
- इस मुद्रा का नाम ऊषा (प्रातःकाल) के नाम पर बना है। जैसे प्रत्येक नई सुबह नई संभावनाएं एवं नई स्फूर्ति लेकर आती है, हमारे भीतर एक नई ऊर्जा का संचार करती है, उसी प्रकार यह मुद्रा हमारे भीतर नई ऊर्जा पैदा करती है। स्वाधिष्ठान चक्र को जागृत करती है, जो कि हमारे शरीर का काम केन्द्र है, हमें क्रियाशील बनाता है। हमें नया उत्साह देता है। यह चक्र जब जागृत होता है, तो हमें आनन्द प्रदान करता है। हमारी हार्मोन प्रणाली को सन्तुलित करता है और ऊपर वाले चक्र जैसे मणिपुर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्धि चक्र इत्यादि को भी नई ऊर्जा देता है।
- मुद्रा से ऊर्जा को मुक्त होने और फिर से प्रवाहित होने में मदद मिल सकती है।
- इस मुद्रा के साथ ध्यान करने से शरीर, मन और आत्मा पर गहरा प्रभाव छोड़ते हुए शांतिदायक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, चिकित्सक अवसादग्रस्त लोगों के लिए योग में एक चिकित्सीय अभ्यास शामिल कर सकते हैं।
- उषा मुद्रा मस्तिष्क के बाएँ और दाएँ गोलार्द्धों को सिंक्रोनाइज़ और संतुलित करती है।
- हार्मोनल प्रवाह को नियंत्रित करती है। स्वस्थ मासिक धर्म चक्र बनाए रखने में मदद करती है, अनियमित पीरियड्स को नियंत्रित करती है।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

हरियाली देखना, महसूस करना और उसका आंनद लेना सबको पसंद है तभी तो आजकल हम अपने आस-पास के वातावरण को भी हरा-भरा रखने की कोशिश करते हैं। पर अफसोस कि इसके लिये हम प्राकृतिक तरीके के स्थान पर अप्राकृतिक तरीके का इस्तेमाल करते हैं अर्थात् प्लास्टिक के पेड़-पौधे लगाकर अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं। चूँकि प्लास्टिक का इस्तेमाल करना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गलत है फिर भी प्राकृतिक तरीके से लगाये गए पेड़-पौधों की देखरेख से बचने के लिए हम यह तरीका अपनाते हैं। इसके पीछे तर्क यही होता है कि अपनी व्यस्तता की स्थिति में ऐसी कृत्रिम हरियाली से भी मन को प्रसन्नता प्राप्त होती है। जबकि अगर हम सेहत के प्रति जागरूक हैं और अपनी पसंद हरियाली को प्राकृतिक तरीके से लगाएं तो निःसंदेह हमारा वातावरण स्वास्थ्य की दृष्टि से भी हरा-भरा रहेगा। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि हम सोचें किस प्रकार की हरियाली हमारे लिये उचित है? क्या हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश उचित अथवा अनुचित?

आवश्यक नहीं नयनाभिराम वस्तुएं स्वास्थ्यवर्धक भी हों

हमारे आसपास की चीजें नयनाभिराम और मनभावन हो सकती हैं पर यह जरूरी नहीं है कि वह स्वास्थ्यवर्धक भी हों। प्राकृतिक पेड़-पौधे लगाने के लिए वातावरण अथवा जगह की कमी आदि कारणों को अपवाद मान भी लिया जाए तो भी सच यही है कि प्राकृतिक पेड़-पौधे लगाने के लिए आवश्यक मेहनत से हम बचना चाहते हैं और अपनी सुविधानुसार कृत्रिम (प्लास्टिक) हरियाली लगाकर कृत्रिम संतुष्टि से ही तृप्त हो जाते हैं। यह जानकर भी हम अनजान बने रहते कि प्लास्टिक का उपयोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी नुकसानदेह है। अगर थोड़ी सी दूरदर्शिता रखकर घर-ऑफिस अथवा अपने आसपास के स्थानों पर प्राकृतिक हरियाली को लगाया जाए तो सारा वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाएगा। साथ ही नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति एक संदेश मिलेगा। धीरे-धीरे गमलों अथवा छोटे-पौधे की देखरेख का मामूली सा काम हमारा शौक और दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगा। हरियाली के लिए आपका एक कदम दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। जरूरी नहीं कि आप अनगिनत गमलों और पेड़ों को लगाओ; पर दो-चार गमले तो अपने घर-आंगन में लगाए जा सकते हैं।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव, नाशिक

कृत्रिम हरियाली भी गलत नहीं

हरियाली हमेशा आँखों को सुकुन प्रदान करती है, अब ये चाहे प्राकृतिक हो या मेनमेड। आज इंटिरियर डेकोरेशन के नाम पर बडे पैमाने पर बड़े-बड़े भवनों मॉल्स, होटल, एयरपोर्टस आदि में प्लास्टिक पौधे या घास (एस्ट्रोटर्फ) बहुतायत में लगाये जाते हैं। यह सही तथ्य है कि प्लास्टिक चाहे किसी भी रूप में काम में लिया गया हो हमेशा ही वातावरण का तापमान बढ़ाता ही है। तब भी कृत्रिम हरियाली का उपयोग करना पूर्णतः जायज है। वजह साफ है जिस मात्रा में यह हरियाली आँखों को सुहाती है, वातावरण का तापमान कुछ बढ़ने के बाद भी उसकी तुलना में बहुत कम (नगण्य) मापा जाता है। चूंकि इंटिरियर में हर जगह प्राकृतिक पेड़-पौधे घास लगाना संभव नहीं हो पाता, अतः बाजार में उपलब्ध प्लास्टिक पेड़-पौधों को काम में लेकर अप्राकृतिक वातावरण की संरचना करना भी कतई गलत नहीं है। यद्यपि हम सभी का दायित्व है हम जितने पेड़-पौधे लगा सकें, उन्हें संरक्षित कर सकें, लगाना चाहिये। अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहते हुए हमें मुख्यतः प्राकृतिक वातावरण का ही सृजन करना चाहिये।

❐ **सुरेन्द्र बजाज,** जयपुर

प्राकृतिक ही अधिक उचित

हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश (जैसे कृत्रिम पौधे, नकली हरियाली या मानव-निर्मित हरे क्षेत्रों) का उपयोग एक विवादास्पद मुद्दा हो सकता है, जो कई पहलुओं पर निर्भर करता है। कुछ मामलों में यह उचित भी है। क्योंकि इससे शहरों में हरियाली की कमी को पूरा करने के लिए अप्राकृतिक हरियाली का उपयोग किया जा सकता है, जिससे मानसिक शांति और सौंदर्य में वृद्धि होती है। कृत्रिम पौधों और हरियाली के रखरखाव की आवश्यकता कम होती है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। यदि अनुचित पक्ष देखें तो कृत्रिम हरियाली का उपयोग प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ सकता है और पारिस्थितिकी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। कुछ अप्राकृतिक हरियाली उत्पादों में रसायन होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश कुछ स्थितियों में उचित हो सकता है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इसका उपयोग किया जाना चाहिए। प्राकृतिक हरियाली को प्राथमिकता देना और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयास करना हमेशा अधिक उपयुक्त होता है।

❐ **डॉ.राधेश्याम लाहोटी,** नोखा

प्राकृतिक हरियाली से समझौता उचित नहीं

माना कि आज का युग बहुत दौड़ भरा है। किसी को भी बिल्कुल भी समय नहीं है कि वह अपने खुद के शौक या पसंद को थोड़ा भी समय दे मगर इसका मतलब यह तो कतई नहीं कि हम अपनी सेहत के प्रति अवहेलना करें। अपनी सेहत को क्या सही और क्या गलत, इसका भी विचार नहीं करते हुये सिर्फ समय की कमी को आगे करते हुये अपने और परिवार के लिए नुकसानदेह कार्य क्यों करें? अपने घर में अगर उचित जगह है तो क्यों ना हम हरियाली या पेड़ पौधे लगाकर अपने समय का सदुपयोग भी करें और अपनी सेहत और अपने शौक भी पूरे करें। असली पेड़ - पौधे आँखों को सुकून तो देते ही हैं, साथ में ताजी सब्जियाँ और ताजे फूल भी हम पा सकते है। हर जगह नकली चीजें कुछ समय के लिए तो अच्छी लगती है, मगर सेहत और पर्यावरण के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं हैं। इसलिये असली पेड़ पौधों का आग्रह रखे ताकि हर प्रकार से आनंद और खुशहाली बनी रहे और वातावरण और पर्यावरण की रक्षा भी होती रहे।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर (गुजरात)

प्राकृतिक हरियाली ही उचित

हरियाली, हरितिमा तन-मन को प्रसन्नता व सुकून देती है, हरा-भरा वातावरण देखकर तन-मन आनंदित हो जाता है। प्राकृतिक छटा और रंगत का मुकाबला कभी भी अप्राकृतिक तत्व नहीं कर सकते। अप्राकृतिक पेड़ पौधे को घरों में सजाकर भले ही हम प्रसन्न हो जाऐं लेकिन यह क्षणिक सुख अंतर्मन को आनंदित नहीं कर सकता है। न ही ये घर के वातावरण को शुद्ध कर सकता है और नहीं प्राकृतिक पेड़ पौधों के महत्व को कोई टक्कर दे सकता है। यह ठीक वैसे ही है, जैसे कि कृत्रिम रोशनी। अगर हम प्रकृति से प्रेम करते हैं तो हमारा मन स्वतः ही प्राकृतिक सौंदर्य की तरफ़ आकर्षित होता है। पेड़-पौधों की देख रेख की जहां तक बात आती है, तो आजकल कई आधुनिक सहज सरल सुविधाजनक तरीके हैं जिन्हें आप गूगल पर या पेड़ पौधे से संबंधित साइट्स पर पढ़ सकते हैं और जानकारी हासिल करके सही पेड़-पौधों का चुनाव भी कर सकते हैं । कुछ पौधे तो ऐसे भी होते हैं जिन्हें सप्ताह में एक बार ही पानी की आवश्यकता और बहुत कम देख-रेख की आवश्यकता पड़ती है। प्राकृतिक फूलों की खुशबू-गुणधर्म मन के मंदिर को सात्विकता प्रदान करते हैं। आप कितना भी आधुनिकरण की तरफ खींचे चले जाए मगर चित् की शांति प्रकृति के क़रीब जाकर ही मिलती है। अपने वातावरण को स्वस्थ, सुंदर, हरा-भरा, 'आनंद' पूर्ण बनाएं व सभी को प्रेरित भी करें। सच्ची सुंदरता घर आंगन के साथ व्यक्तित्व को भी निखारती है। हमारे धर्म में तो पेड़ पौधों को भी पूजनीय माना जाता है। प्रकृति से जुड़े और साथ ही साथ आंतरिक सुषमा को अलौकिक और सुशोभित करें।

❐ **मोनिका डागा,** चेन्नई (तमिलनाडु)

असली चीज ही उचित

सर्वदा हर असली चीज ही उचित रहती है। प्रकृति की देन हरियाली सबसे अच्छी ऑक्सीजन स्तोत्र है। अप्राकृतिक हरियाली सिर्फ नयनसुख और मन की शांति के लिए ठीक है कि हमारे चारों ओर हरियाली है। वहीं प्राकृतिक हरियाली सौंदर्य देखने में भी आलौकिक और शारीरिक रूप से भी उपयोगी रहती है। कई पौधे तो दवाई के रूप में और रोज के रसोई घर में भी उपयोग में आते है। कृत्रिम हरियाली को बसाते हैं तो सिर्फ प्लास्टिक या रबर ही मिलता है, कोई उपयोगिता नही रहती। जहां पानी, धूप, जगह की सहूलियत हो और पौधों की सेवा करने की चाहत हो वहां प्राकृतिक हरियाली ही होनी चाहिए। मन चाहता है, मगर इंतजाम ना हो तो अप्राकृतिक हरियाली से ही मन की मौज ले लेनी चाहिए। ये ना सोचें कि प्लास्टिक है हमारे सेहत पर असर करेगा। घर में कई तरह की प्लास्टिक की चीजे रहती ही है।

❐ **नीरा मल्ल,** पुरुलिया

अप्राकृतिक परिवेश प्रदूषण का कारण

हरियाली प्राकृतिक रूप से पौधों और वनस्पतियों की विकास से होती है इससे वायु की शुद्धि होती है, औषधियां बनती है, जो सेहत के लिए गुणकारी होती है। हरियाली एक ऐसा जैविक संसाधन है जो मानव और जानवरो के लिए उपयोगी और जरुरी है। प्राकृतिक परिवेश में समय, पैसा और मेहनत भी अधिक लगती है। आज की व्यस्त और भागदौड़ भरी जिंदगी में अप्राकृतिक परिवेश जरूरी और आम हो गया है। सजावट की सुंदरता को बढ़ावा, देख रेख की जरूरत नहीं, समय और पैसा की बचत। अप्राकृतिक परिवेश से वातावरण में प्लास्टिक का उपयोग अधिक होता है। वायु प्रदुषण बढ़ता है। जैविक संसाधनों की कमी होती है। जिस प्रकार मां न बनने पर बच्चे को गोद लेकर सुने आंगन में किलकारी तो गुंजा सकते हैं, पर प्रसव पीड़ा और स्तनपान का आनन्द नहीं ले सकते। ठीक उसी प्रकार अप्राकृतिक परिवेश से हरियाली का विकास थोड़े समय का आनन्द देता है पर पूर्ण लाभ नहीं मिलता।

❐ **सुषमा दामोदर लाहोटी,** बेल्लमपल्ली (तेलंगाना)

आप भी दे सकते है मत-सम्मत के लिये विषय

''**मत-सम्मत**'' सामाजिक समस्याओं पर चिंतन का ''**श्री माहेश्वरी टाईम्स**'' का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। इसके द्वारा न केवल सम्बंधित विषय पर प्रबुद्ध पाठकों के विचार व सुझाव ही प्राप्त होते हैं, अपितु यह पाठकों को विचार-विमर्श का ''**एक मंच**'' भी प्रदान करता है। अतः पाठकों से निवेदन है कि यदि मत-सम्मत में विचारों का पक्ष-विपक्ष रखने योग्य आपके पास कोई सामाजिक विषय हो तो हमें अवश्य प्रेषित करें। इस विषय पर भी विचार आमंत्रित होंगे। विषय का अंतिम चयन सम्पादक मंडल का होगा, जो सर्वमान्य होगा।

सम्पादक

खुश रहें - खुश रखें

गुरु सही रास्ता दिखाते हैं और जब हम रास्ता भटक जाते हैं

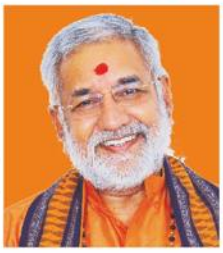

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - एक दिन गुरु मछिन्द्रनाथ ने अपने शिष्य गोरखनाथ से कहा- 'अगर तुम आत्मा को जानना चाहते हो, परम शक्ति से मिलना चाहते हो तो एक ऐसी जगह पर जाकर तपस्या करो जो हिम प्रांत है, जहां चारों ओर बर्फ हो। किसी मनुष्य का रहना वहां मुश्किल हो। ऐसी जगह जाओ।'

गोरखनाथ गुरु द्वारा बताई गई जगह पहुंच गए और तपस्या शुरू कर दी। प्राणायाम की मदद से उन्हें धीरे-धीरे मालूम होने लगा कि शरीर अलग है और आत्मा अलग है। उन्होंने देवी मां की उपासना की और कहा- 'मां अपनी शक्तियां मेरे शरीर में समाहित कर दें।'

कुछ समय बाद गोरखनाथ की इच्छा पूरी भी हो गई। एक दिन गोरखनाथ के सामने एक पागल जैसा बिखरी जटाओं वाला व्यक्ति आकर चिल्लाने लगा कि तू दंभी है, तेरा गुरु दंभी है। उस व्यक्ति ने गोरखनाथ पर तलवार से प्रहार किया, लेकिन गोरखनाथ सिद्ध हो चुके थे तो तलवार का असर उन पर नहीं हुआ। उस व्यक्ति ने गुरु को दंभी कहा था तो गोरखनाथ ने भी तलवार से प्रहार कर दिया। जैसे ही उस व्यक्ति को तलवार लगी तो उसे तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन गोरखनाथ गिर गए।

गोरखनाथ ने उस व्यक्ति से पूछा- 'आप कौन हैं? मेरे गुरु को दंभी क्यों कह रहे हैं?'

ये बात सुनकर वह व्यक्ति अपने असली स्वरूप में आ गया, वे थे गुरु मछिंद्रनाथ। गुरु मछिंद्रनाथ ने कहा- 'तीतीक्षा करके तूने आत्मा की प्राप्ति तो कर ली है, तुझे बोध भी हो गया है, लेकिन दंभ यानी घमंड भी आ गया है। तू ये सोच रहा है कि ये सब तूने किया है। इसलिए मुझे यहां प्रकट होना पड़ा।'

तितिक्षा का अर्थ होता है प्रसन्न होकर विपरीत हालातों को जीत लेना। मछिंद्रनाथ कहते हैं, 'गोरखनाथ, मुझे इसलिए आना पड़ा, क्योंकि मुझे लग रहा था कि तुझे देह और आत्मा के अंतर के बोध होने से अहंकार हो गया है। अहंकार की वजह से सभी सिद्धियां और तपस्या नष्ट हो जाती है।'

सीख- इस किस्से में दो संदेश हैं। पहला, गुरु हमें सही रास्ता दिखाते हैं और जब हम रास्ता भटक जाते हैं तो गुरु ही हमें बचाते हैं। दूसरा संदेश ये है कि हमें कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। घमंड की वजह से सारी तपस्याएं नष्ट हो जाती हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

केसरी मोदक

सामग्रीः नारियल का बुरादा 150 ग्राम, शक्कर 50 ग्राम, इलायची पाउडर चुटकी भर, मेंवा इच्छानुसार, दूध पाउडर 150 ग्राम, दूध एक कप, केसर चुटकी भर ।

विधिः दूध पाउडर में नारियल का बुरादा, शक्कर, इलायची पाउडर और मेवा इच्छानुसार बारीक काटकर डाल दे। दूध को कुनकुना गर्म करके इस मिश्रण को दूध में गूंथ ले। इतनी देर गुंथे की वह हल्का हो जाए। थोड़े से दूध में केसर डालकर उसे भिगो दे। थोड़ी देर बाद केसर के इस मिश्रण में मिलकर सांचे में रखकर अपने मनपसंद आकर के मोदक बना ले।

तिल-गुड-खसखसी मोदक

सामग्रीः मैदा 100 ग्राम, तेल 50 ग्राम, गुड 50 ग्राम, खसखस 50 ग्राम, इलायची पाउडर आधा छोटा चम्मच।

विधिः तील और खसखस को सुखा भुने। इसके बाद दोनों को मिक्सी में दरदरा पीस ले। गुड को भी हाथ से मसलकर बारीक कर ले। गुड में खसखस इलायची पाउडर पर मिला दे। इसके बाद मैदा गूंथ कर पुरी के आकार का बेस बेले। इसमें तील, गुड, खसखस का मिश्रण की गोली भरकर मोदक का आकार दे दे। इन मोदकों को धीमी आंच पर तल लें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

गैंग रेप-समाज री नैतिकता और संवेदनशीलता पर खतरो

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हाँ महिलाओं रे साथे हुवण वाळा बलात्कार और गैंग रेप री घटनाओं पर.. जो अति चिंता रो विषय हैं। हुकुम जिका भी अपराध हूँ रियाँ है वे न सिर्फ व्यक्तिगत रूप सूं महिलाओं ने प्रभावित कर रियाँ है बल्कि पूरे समाज ने झकझोर ने रख दियों हैं। एड़ा जघन्य अपराध जो समाज री नैतिकता और संवेदनशीलता पर भी सवाल खड़ा कर रियाँ है।

हुकुम गैंग रेप यानी समूह रा लोग मिळने किन्ही महिला रो बलात्कार करें, मानवता रे खिलाफ सबसूं गंभीर अपराधों में एक है। इण गैंग रेप में अपराधियों री संख्या और वाणी हिंसा री क्रूरता कई गुना बढ़ जावें....गैंग रेप रे मामलों में न केवल शारीरिक हिंसा हुवें, बल्कि मानसिक और भावनात्मक यातना री हदा भी पार हूँ जावें।

समाज और मीडिया भी कई बार महिला रे साथे हुवण वाळा अन्याय रे वास्ते उने ही जिम्मेदार ठहरावें विनी स्वतंत्रता पर सवाल उठावे, और विने शर्मिंदा करें।

हुकुम गैंग रेप रे मामलों में न्यायालय में न्याय पाणों भी बहुत मुश्किल हैं .. अक्सर पीड़िता और विने परिवार को न्याय के लिए संघर्ष करणो पड़े। पुलिस री जांच सूं लेने अदालत में सुणवाई तक, हर कदम पर कई चुनौतियाँ हुवें, कई मामलों में पीड़िता ने न्याय पावण वास्ते सालों इंतजार करणों पड़े।

हुकुम बलात्कार और गैंग रेप रे अपराधियों रे पीछे री मानसिकता रो विश्लेषण करणों जरूरी है। जण समूह में सगळा लोग मिळने इण तरह रे अपराध ने अंजाम देवे, तो वे पीड़िता ने आपरी शक्ति और सामर्थ्य रो एहसास कराणों चाह्वे। यों अपराध केवल यौन हिंसा नहीं, बल्कि शक्ति, वर्चस्व और भय फैलावण रो साधन है।

इण तरह री मानसिकता ने जड़ सूं खत्म करण वास्ते समाज में भारी बदलाव री जरूरत हैं।

हुकुम सबसूं पेला आपाने अपणा बच्चों ने शुरू सूं ही महिलाओं रे प्रति सम्मान और समानता का पाठ पढ़ाणों पड़ेला। यों समझणों जरूरी है कि महिलाओं री सुरक्षा केवल महिलाओं रों मुद्दों नहीं है, बल्कि पूरे समाज री जिम्मेदारी है।

कानून और कानूनी शक्ति बलात्कार और गैंग रेप रे खिलाफ कानूनों ने और ज्यादा सख्त बणावण री जरूरत है। अपराधियों ने जल्द सूं जल्द सजा मिळनी चईजे, ताकि अन्य लोग भी इण तरह रा अपराध करण सूं पेहला सौ बार सोचें। इने अलावा, पीड़िताओं वास्ते न्याय री प्रक्रिया ने सरल और संवेदनशील बणावण री जरूरत है, ताकि वे बिना किन्ही भय या हिचकिचाहट रे न्याय री गुहार लगा सकें।

हुकुम बलात्कार गैंग रेप जैड़ा अपराध समाज में फैली विकृत मानसिकता रो परिणाम हैं। इने जड़ सूं खत्म करण वास्ते समाज, कानून और शिक्षा में भारी बदलाव लावण री जरूरत है।

हुकुम समाज ने यों समझणों पड़ी कि महिलाओं री सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था रो मुद्दों नहीं है, बल्कि आपाणे समाज री नैतिकता और संवेदनशीलता रो भी प्रतीक है। समाज ने इतों मजबूत करणों पड़ेला जठे हर महिला सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सके।

हुकुम एक बात और जण महिलाएं शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप सूं सशक्त हुवेला, तो वे खुद ने सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस करेला।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- हिज्र का कहर ओ मलाल अब तलक भी है,
  जहन में हज़ारों सवाल अब तलक भी है।
- आवाज़ देने से न हो जाये रुसवाई यार की,
  महबूब का इतना ख्याल अब तलक भी है।
- निशां फितूर ए इश्क के कब के मिट गए है,
  मगर दिल में उसका मलाल अब तलक भी है।
- सौ बार बुलाने पर भी अब कोई नही आएगा,
  फिर भी उम्मीद ए विसाल अब तलक भी है।
- चेहरे पे बिखरी चांदनी की कशिश उफ तौबा,
  उसके हुस्न में गजब जमाल अब तलक भी है।
- एहतियातन सब कुछ दुरुस्त, सब बाकमाल है,
  सच में हाल बिल्कुल बेहाल अब तलक भी है।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

आर्थिक लाभ सतत होते रहेंगे। नौकरी करने वाले जातकों के लिए विभाग की ओर से कुछ चुनौतियां रहेंगी। व्यापार करने वाले जातकों के व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी पेशा जातकों को यद्यपि चुनौतियां रहेंगी फिर भी वह उनसे उभर कर बाहर आ जाएंगे। यद्यपि इस महीने में आय के अच्छे लक्षण दिख रहे हैं फिर भी आपको व्यय के ऊपर नियंत्रण रखना पड़ेगा। इस महीने आप जोखिम उठाने की मनःस्थिति रखेंगे। आपका साहस बड़ा हुआ रहेगा।

वृषभ

घर में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। देव दर्शन एवं तीर्थ यात्रा संभावित है। आर्थिक रूप से विशेष कर संचित धन की दृष्टि से यह महीना सावधानी से चलने का है। आपका बैंक बैलेंस तेजी से कम हो सकता है। इस महीने में आप भूमि भवन खरीदी-बिक्री संबंधी विचार कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से पित्त के कारण होने वाली समस्याएं एसिडिटी इत्यादि आपको हो सकती है। तेज मिर्च मसाले के व्यंजनों से एवं अधिक चाय कॉफी पीने से बचें। संतान संबंधी चिंता रहेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी एवं कार्य उत्साह से करेंगे। नवीन योजनाएं क्रियान्वित हो सकती हैं, जो जातक नौकरी पैसा है, उनके कार्य को सराहा जाएगा। किसी गुप्त रणनीति से धन लाभ भी संभावित है।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना कुछ मानसिक तनाव दे सकता है, क्रोध की अधिकता रहेगी। इसके प्रति सजग रहें। आक्रामक स्वभाव न होने दें। साहस एवं जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ेगी। घर से दूर रहने के योग बनेंगे। इच्छित कार्य में अनावश्यक विलंब होगा। कार्य क्षेत्र में अनावश्यक परेशानी आएगी, जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर हो सकता है।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना आर्थिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। लंबे समय से लंबित कोई कार्य योजना क्रियान्वित होगी। आर्थिक लाभ होगा। मनोवांछित कार्य होंगे। कुटुंब में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। समाज में किसी से वाद विवाद संभावित है। आय के साधनों में वृद्धि होगी। शिक्षा जगत में लाभ होगा। संतान प्राप्ति के योग रहेंगे। घर में शुभ एवं धार्मिक कार्य की प्रबल संभावना रहेगी।

सिंह

सिंह राशि के जातकों को इस महीने अपने मानसिक विचारों एवं भावनाओं पर विशेष सजगता रखनी है। आक्रामकता बड़ी हुई रहेगी। जीवन साथी से मनमुटाव संभावित है। आर्थिक लाभ होने की संभावना कम है। संचित धन या बैंक बैलेंस का ग्राफ भी नीचे गिर सकता है। आपको चाहिए कि इस महीने विशेष सजकता से हर कार्य को करें एवं बिना सोच विचार करे कोई काम ना करें। लड़ाई झगड़ों से बचें एवं परिवार में शांति बनाए रखें।

कन्या

कन्या राशि के जातक इस महीने समाज एवं परिवार में अपनी एक विनम्र छवि लेकर चलेंगे। अपनी इस रणनीति के तहत आप अपने पुराने शत्रुओं पर विजय हासिल करेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी एवं उनसे दूर रहने के योग भी बन सकते हैं। घर में शुभ मांगलिक आयोजन होंगे।

तुला

तुला राशि के जातक इस महीने भूमि भवन से संबंधित प्लानिंग कर सकते हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। शत्रु परास्त होंगे। बिना बात की चिंता एवं मानसिक तनाव बना रहेगा। विचारों में अस्थिरता रहेगी। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। परिवार में विवाह संबंध होगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन इस महीने कुछ तनावपूर्ण हो सकता है। घर से दूर यात्रा के योग बनेंगे। काम के सिलसिले में दूर रहना पड़ सकता है। संतान के कॅरियर या शिक्षा संबंधी चिंता रहेगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे। राजकीय मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आकस्मिक रूप से धन लाभ संभावित है।

धनु

धनु राशि के जातकों की कूटनीति इस महीने बहुत प्रकार की रहेगी। पराक्रम का भाव बढ़ा रहेगा। बहुत समय से लंबित कार्य योजना क्रियान्वित होगी। बैंक बैलेंस का ग्राफ तेजी से नीचे आ सकता है। कुटुंबियों से विवाद संभावित है। पारिवारिक जीवन सुखद है। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलेगा या संतान को सफलता मिलेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, धार्मिक भावना बढ़ेगी।

मकर

मकर राशि के जातकों को कुटुंबियों से मतभेद हो सकते हैं। पराक्रम बढ़ा हुआ रहेगा। स्वार्थ की भावना विशेष रहेगी। भूमि भवन से संबंधित कोई लाभ होगा। संतान से संबंधित शुभ कार्य होंगे। शत्रुओं पर विजय मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां रहेगी। शनि प्रधान किसी भी कार्य को करने से पहले एक बार जरूर सोच लें। किसी भी अपने को रुपये का उधार, लेनदेन से बचें।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों को इस महीने उत्साह में कमी आएगी। कार्य पेंडिंग होंगे। नवीन कार्य करने की मर्जी नहीं होगी। बैंक बैलेंस का ग्राफ नीचे उतरेगा। परिवार में शांति रहेगी। संतान संबंधी चिंता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। अज्ञात चिंताएं और बिना काम के विचार चलते रहेंगे। नौकरी पेशा को विशेष सावधानी बरतना है। लोहा एवं मशीनरी से संबंधित कार्यों को विशेष सावधानी से करें।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह महीना बहुत सजकता से चलने का है। विचारों में धुंध सी छाई रहेगी। स्पष्ट स्थिति नहीं रहेगी फिर भी साहस बना रहेगा। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में कलह संभावित है। एसिडिटी से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। मिर्च मसाले वाले खान-पान से परहेज करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे।

मध्यप्रदेश शासन
देश की आज़ादी के लिए प्राणों की आहुति देने वाले
वीर शहीदों को कृतज्ञतापूर्ण नमन
रानी लक्ष्मीबाई
चन्द्रशेखर आजाद
वीर सुरेन्द्र साए
भीमा नायक
शंकर शाह
रघुनाथ शाह
बरकतउल्ला भोपाली
रानी अवंतीबाई
टंट्या भील
तात्या टोपे
राणा बख्तावर सिंह
सीताराम कँवर
रघुनाथ सिंह मण्डलोई
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
78 वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
चौतरफा विकास का
परचम लहराता मध्यप्रदेश
युवाओं के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं व्यावसायिक क्षमता निर्माण के लिए सभी 55 जिलों में पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रारंभ
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रहे आयोजित
संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आहार अनुदान योजना एवं राशन आपके ग्राम जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंदों को सहायता
मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 1.29 करोड़ महिलाओं को रक्षाबंधन पर प्रतिमाह ₹1250 के अतिरिक्त ₹250 का विशेष उपहार, अब तक ₹22 हजार 924 करोड़ की सहायता, लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 83 लाख से अधिक किसानों को ₹14254 करोड़ की सहायता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़ने के लिए स्कैन करें
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश शासन
D18008/24
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 September, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
https://srimaheshwaritimes.com